राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 30 अप्रैल 2022 वर्ष-4,अंक-94 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झज्जर में देर रात फैक्ट्री से अमोनिया गैस हुई लीक, सांस लेने में तकलीफ और उल्टी की शिकायत

● झज्जर के उपायुक्त जग निवास ने कहा कि अमोनिया गैस रिसाव की घटना की सूचना मिली। इसके तुरंत बाद तीन एम्बुलेंस और 3 से 4 फायर ब्रिगेड मौके भेजे गए। लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी गई।

चंडीगढ़। हरियाणा के झज्जर जिले में एक फैक्ट्री से गैस रिसाव के बाद हड़कंप मच गया। फैक्ट्री से अमोनिया के रिसाव की सूचना मिली थी। घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। इलाके में रहने वाले कुछ स्थानीय लोगों ने सांस लेने में तकलीफ और उल्टी की शिकायत की। सूचना पर दमकल की टीम, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

झज्जर के उपायुक्त जग निवास ने कहा कि अमोनिया गैस रिसाव की घटना की सूचना मिली। तीन एम्बुलेंस और 3 से 4 फायर ब्रिगेड मौके भेजे गए। लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी गई। दमकल कर्मियों ने फैक्ट्री को खाली करा लिया। एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि हालात अब काबू में है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना गुरुवार रात की है। गैस रिसाव के बाद लोग घरों से बाहर निकल कर इधर-उधर दौड़ने लगे। बताया जा रहा है कि कई लोगों को ज्यादा परेशानी हुई तो उन्हें अस्पताल भेजा गया। फिलहाल सबकी हालत सामान्य बताई जा रही है। पुलिस और दमकल की गाड़ियों से गलियों व सड़कों पर पानी का छिड़काव करवाया गया। वहीं, लोग भी अपने घरों की मोटरें चलाकर पानी का छिड़काव करते रहे ताकि गैस का प्रभाव कम हो सके।

मायावती बोलीं : मैं सीएम-पीएम बनूं या ना बनूं लेकिन यूपी में अब सपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं बन सकता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए शुक्रवार सुबह कई ट्वीट्स किए। मायावती ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का मुख्यमंत्री बनने का सपना कभी पूरा नहीं होगा। मायावती ने शुक्रवार को एक के बाद एक ट्वीट कर अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए लिखा, सपा मुखिया यूपी में मुस्लिम व यादव समाज का पूरा वोट लेकर तथा कई-कई पार्टियों से गठबंधन करके भी जब अपना सीएम बनने का सपना पूरा नहीं कर सके हैं, तो फिर वो दूसरों का पीएम बनने का सपना कैसे पूरा कर सकते हैं?

मायावती ने आगे लिखा, इसके साथ ही, जो पिछले हुए लोकसभा आम चुनाव में, बसपा से गठबन्धन करके भी, यहां खुद 5 सीटें ही जीत सके हैं, तो फिर वो बसपा की मुखिया को कैसे पीएम बना पायेंगे? अतः इनको ऐसे बचकाने बयान देना बंद करना चाहिए।

एक अन्य ट्वीट में बसपा मुखिया ने लिखा, साथ ही, मैं आगे सीएम व पीएम बनूं या ना बनूं, लेकिन मैं अपने कमजोर व उपेक्षित वर्गों के हितों में देश का राष्ट्रपति कतई भी नहीं बन सकती हूं। अतः अब यूपी में सपा का सीएम बनने का सपना कभी भी पूरा नहीं हो सकता है।

अखिलेश के इस बयान पर किया मायावती ने ट्वीट

गौरतलब है कि गुरुवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एक इफ्तार पार्टी में गए थे जहां उनसे मायावती के राष्ट्रपति न बनने वाले बयान पर सवाल किया गया। तब अखिलेश ने कहा है कि वे भी चाहते थे कि बसपा की मुखिया मायावती प्रधानमंत्री बनें। इसलिए 2019 लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने बसपा से गठबंधन किया था। मैं खुश हूं, मैं भी यही चाहता था। पिछले चुनाव में इसी को लेकर गठबंधन किया गया था। अगर गठबंधन जारी रहता तो बसपा और डॉ. भीम राव अंबेडकर के अनुयायी देख सकते थे कि कौन प्रधानमंत्री बनता।

अखिलेश भाग सकते हैं विदेश- मायावती -बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को भी सपा मुखिया अखिलेश यादव पर हमला बोला था। कहा कि, 'मैं फिर से सीएम बनने, आगे चलकर पीएम बनने का सपना तो देख सकती हूं, लेकिन देश का राष्ट्रपति बनने का सपना कभी नहीं देख सकती। सपा मुखिया यह अफवाह फैलाना बंद करें। चुनावों में मात खाए अखिलेश विदेश भागने की फिराक में हैं। वहां पहले ही उन्होंने अपना बंदोबस्त कर लिया है।'

मायावती ने बयान जारी कर कहा कि यूपी में भाजपा की सत्ता वापसी के लिए सपा जिम्मेदार है। सपा और भाजपा ने मिलकर पूरे चुनाव को हिंदू-मुस्लिम रंग दे दिया और भाजपा सत्ता में आ गई। अब गरीबों, मुसलमानों पर जो जुल्म हो रहे हैं उसके लिए सपा मुखिया जिम्मेदार हैं। मायावती ने कहा कि यदि यूपी में दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम व अपर कास्ट का गरीब तबका बीएसपी से जुड़ जाता है तो फिर ये मुझे यूपी का सीएम ही नहीं बल्कि आगे चलकर देश का पीएम भी बना सकते हैं। मायावती ने आरोप लगाया कि रमजान के महीने में जबरदस्त बिजली कटौती की जा रही है। सरकार को इस पर सख्त कदम उठाने चाहिए।

अब सपा की सत्ता में वापसी कभी नहीं-मायावती ने कहा कि यूपी के मुस्लिमों और यादवों ने इस चुनाव में सपा को अपना एकतरफा वोट देकर देख लिया है। कई पार्टियों से गठबंधन भी किया पर कुछ फायदा नहीं हुआ। अब ये लोग इनके बहकावे में आने वाले नहीं हैं। सपा मुखिया को भी यह अहसास हो चुका है कि सपा अब कभी सत्ता में आने वाली नहीं है। मायावती ने कहा कि मैंने डॉ. आंबेडकर और कांशीराम के बताए मार्ग पर चलते हुए दबे कुचले लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करने में जिंदगी समर्पित की। यह सेवा राष्ट्रपति बनकर नहीं बल्कि पीएम एवं सीएम बनकर ही की जा सकती है। इसलिए सपा के लोग जो जबरदस्ती उन्हें राष्ट्रपति बनाने का सपना देख रहे हैं, उन्हें भूल जाना चाहिए।

स्मारकों व पार्कों के लिए सीएम को भेजी चिट्ठी

विभिन्न पार्कों, संग्रहालयों एवं स्मारकों की बदहाली का मामला उठाते हुए बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र व विधायक उमाशंकर सिंह गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले। उन्होंने बसपा प्रमुख मायावती का पत्र सीएम को सौंपा जिसमें इस प्रकरण को गंभीरता से लेने की मांग की गई है। पत्र में मायावती ने कहा है कि राजधानी के पार्कों, संग्रहालयों एवं स्मारकों का हाल बुरा है। कांशीराम स्मारक तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक के गुंबद में लीकेज के कारण सीलन आ गई है। कांशीराम स्मारक की छत में काफी बड़ी दरार आ गई है। पत्थर उखड़कर गिर रहे हैं। ऐसे ही इनके संरक्षण में लगे कर्मचारियों की समस्याएं समेत और कई दुश्वारियां हैं, जिन्हें तत्काल दूर करने की जरूरत है।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राहत की खबर

गंभीर रूप से बीमार करने वाले वैरिएंट्स देश में बहुत कम

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के रिकॉम्बिनेंट वैरिएंट बहुत कम मिले हैं। इनमें से किसी में भी ट्रांसमिशन में बढ़ोत्तरी, गंभीर बीमारी या अस्पताल में भर्ती कराने के मामले नहीं दिखे हैं। भारतीय SARS-COV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, रिकॉम्बिनेंट वायरस के दो अलग-अलग वेरिएंट्स के जेनेटिक मैटेरियल के कॉम्बिनेशन से तैयार होता है। रिपोर्ट के अनुसार, जीनोम सीक्वेंसिंग के अध्ययन से पता चला है कि भारत में रिकॉम्बिनेंट वैरिएंट्स बहुत कम मिले हैं। अब तक किसी में भी ट्रांसमिशन में बढ़ोतरी या गंभीर बीमारी या फिर हॉस्पिटलाइजेशन नहीं देखा गया है। भले ही कोरोना की यह नई लहर हो, लेकिन उतनी विनाशकारी नहीं है जो पिछले साल अप्रैल में देखी गई थी।

वायरस के म्यूटेशन की मॉनिटरिंग का काम जारी-INSACOG का कहना है कि 52 प्रयोगशालाओं में वायरस के म्यूटेशन की मॉनिटरिंग का काम जारी है। रिसर्चर्स ने बताया कि रिकॉम्बिनेंट्स के संदिग्ध वैरिएंट्स की करीब से निगरानी की जा रही है। साथ ही पब्लिक हेल्थ को लेकर किसी भी तरह के अलर्ट पर नजर बनी हुई है।

240,570 सैंपल्स के अध्ययन के बाद तैयार हुई रिपोर्ट

लगभग तीन महीने के बाद INSACOG की ओर से यह रिपोर्ट अपलोड की गई है। 8 अप्रैल तक 240,570 सैंपल्स के अध्ययन के बाद इसे तैयार किया गया है। वैरिएंट्स ऑफ कॉन्सर्न या इन्ट्रेस्ट के 118,569; ओमिक्रॉन वैरिएंट्स के 44,100; डेल्टा के 43,925; अल्फा के 4266; क्1.617.1 के 5,607 और ङ्ग सीरीज के 20,448 वैरिएंट्स का विश्लेषण किया गया है।

नेपाल में दिख रहा है भारत के बिजली संकट का असर

औद्योगिक गलियारों में कटौती करेगा पड़ोसी देश

नई दिल्ली। भारत इस समय भारी गर्मी के बीच बिजली संकट से जूझ रहा है। ऐसे में पड़ोसी देश नेपाल को भी दिक्कत हो रही है। खबर है कि भारत से पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिलने के कारण नेपाल जल्द ही अपने औद्योगिक गलियारों की बिजली काट सकता है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के योजना उप प्रबंध निदेशक प्रदीप ठिके ने कहा कि वर्तमान में, नेपाल भारत से केवल 100 मेगावाट बिजली प्राप्त कर रहा है, जबकि इसकी 400 मेगावाट की मांग है।

उन्होंने कहा, ''अभी हमारे पास 300 मेगावॉट बिजली की कमी है क्योंकि हमें भारत से पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही, वह खुद बिजली संकट से गुजर रहा है।'' उन्होंने कहा

कि इससे नेपाल के तीन औद्योगिक गलियारों बीरगंज, बिराटनगर और भैरवा में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होगी। इससे मुख्यत÷ बड़े उद्योगों पर असर पड़ेगा, छोटे उद्योगों को कोई दिक्कत नहीं आएगी। ठिके ने कहा कि डेढ़ माह बाद, बारिश का मौसम आने पर हालात सुधरेंगे और नेपाल भारत को बिजली निर्यात करने की स्थिति में आ जाएगा। वर्तमान में भारत से बिजली कटौती के चलते नेपाल के तीन औद्योगिक गलियारों, बीरगंज, विराटनगर और भैरहवा को ज्यादा प्रभावित कर रहा है। थिके ने कहा, हमें किसी भी समय इन गलियारों में बिजली कटौती करनी पड़ सकती है।÷ उन्होंने कहा कि इससे मुख्य रूप से बड़े उद्योग प्रभावित होंगे और छोटे उद्योगों को कोई दिक्कत नहीं होगी।

उन्होंने कहा, हम लाइट के लिए बिजली की आपूर्ति करने में सक्षम होंगे, लेकिन शुष्क मौसम के दौरान उद्योगों में बड़ी मशीनें चलाने के लिए नहीं। हालांकि, एक या डेढ़ महीने के बाद, जब बारिश का मौसम आएगा, स्थिति में सुधार होगा और नेपाल भारत को बिजली निर्यात करने की स्थिति में होगा।

यात्री ट्रेनों के 670 फेरे रद्द करेगी भारतीय रेलवे, 'कोयला संकट' के चलते उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली। कोयले की कमी को लेकर गहराते संकट के बीच, भारतीय रेलवे बड़ा कदम उठा रही है। दरअसल बिजली की मांग में भारी वृद्धि के कारण कोयले की आवश्यकता भी बढ़ गई है, इसके लिए भारतीय रेलवे को पिछले कुछ हफ्तों में प्रतिदिन लगभग 16 मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों को रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा है ताकि देश भर में स्थित बिजली संयंत्रों के लिए कोयला ले जाने वाली ट्रेनों को अतिरिक्त रास्ता दिया जा सके।

670 फेरों को रद्द करने की अधिसूचना जारी-रेल मंत्रालय ने 24 मई तक यात्री ट्रेनों के लगभग 670 फेरों को रद्द करने की अधिसूचना जारी की है। इनमें से 500 से अधिक यात्राएं लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए हैं। रेलवे ने कोयले की रेलगाड़ियों की औसत दैनिक लोडिंग 400 से अधिक तक बढ़ा दी है, जो पिछले पांच वर्षों में अब तक का सबसे अधिक है।

रोजाना 415 कोयला ट्रेनें उपलब्ध कराएगी रेलवे

समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर (भारतीय रेल) ने मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए रोजाना 415 कोयला रेक (ट्रेनें) उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 3,500 टन कायला ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिजली संयंत्रों में स्टॉक में सुधार और जुलाई-अगस्त में किसी भी संकट से बचने के लिए यह कवायद कम से कम दो महीने तक जारी रहेगी, तब तक, जब तक कि बारिश के कारण कोयला खनन कम से कम न हो जाए।

रेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, विभिन्न राज्यों में यात्री ट्रेनों को रद्द करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा है क्योंकि तत्काल आवश्यकता यह सुनिश्चित करने की है कि बिजली संयंत्रों में कोयले की कमी न हो और कोई ब्लैक आउट न हो।

विदेश मंत्रालय की भारत बायोटेक को नसीहत, कहा-

डब्ल्यूएचओ की कार्रवाई पर दें ध्यान, कंपनी को मिला ईयूएल हो सकता है रद

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त राष्ट्र की खरीद एजेंसियों के माध्यम से कोवैक्सीन टीकों की आपूर्ति निलंबित कर दी गई थी। जिसके बाद अब विदेश मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि डब्ल्यूएचओ द्वारा टीके के आपात उपयोग की मंजूरी को रद करने से बचने के लिए भारत बायोटेक को तत्काल इस मुद्दे पर ध्यान देना होगा।

डब्ल्यूएचओ से निलंबित है कोवैक्सीन की आपूर्ति-विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कोविड टीकाकरण पर एक प्रमुख अधिकार प्राप्त समूह के संयोजक डा. वीके पाल को एक पत्र लिखा है। जिसमें बताया गया है कि टीकों और भारतीयों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा को लेकर अनेक मुद्दे सामने आये हैं। इन पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। पत्र में कहा कि कोवैक्सीन को आपात उपयोग के लिए सूचीबद्ध (ईयूएल) करने के लिए 14 मार्च को भारत बायोटेक के परिसरों के निरीक्षण के बाद डब्ल्यूएचओ ने अच्छी विनिर्माण प्रक्रियाओं की कमी के चलते संयुक्त राष्ट्र की खरीद एजेंसियों के माध्यम से टीके की आपूर्ति को निलंबित करने की घोषणा की थी।

टीके की प्रभावशीलता पर कोई संदेह नहीं

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि टीका प्रभावी है और कोई सुरक्षा संबंधी चिंता नहीं है, लेकिन उसने टीके का इस्तेमाल कर रहे देशों को उचित कार्रवाई की सिफारिश की। पत्र के अनुसार हालात अन्य देशों द्वारा, विशेष रूप से जर्मनी और फ्रांस जैसे यूरोपीय संघ के सदस्य देशों द्वारा कोवैक्सीन आधारित भारतीय टीकाकरण प्रमाणपत्रों की स्वीकार्यता को और जटिल बना देते हैं। इसमें कहा गया कि भारत बायोटेक को डीसीजीआइ और डब्ल्यूएचओ के माध्यम से मामले पर तत्काल ध्यान देना चाहिए और ऐसी किसी स्थिति से बचना चाहिए जिससे भविष्य में कोवैक्सीन के डब्ल्यूएचओ की ओर से ईयूएल को रद कर दिया जाए।

बच्चों के लिए एम-आरएनए आधारित टीके मान्य-श्रृंगला ने आग्रह किया कि अधिकार प्राप्त समूह-पांच की एक बैठक इस मुद्दे पर बुलाई जाए। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि हांगकांग समेत भारत के बाहर के कुछ स्थानों पर अधिकारियों ने बच्चों के लिए टीकाकरण प्रमाणपत्र मांगना शुरू कर दिया है। वे उनके लिए केवल एम-आरएनए आधारित टीकों को स्वीकार करते हैं।

विमान लैंडिंग तकनीक में भारत की नई उड़ान, खराब मौसम में भी आसानी से उतारे जा सकेंगे विमान, एएआई ने इसरो के साथ बनाया नया सिस्टम

नई दिल्ली। विमान लैंडिंग के मामले में भारत ने नई उड़ान भरी है। शुक्रवार को एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया (एएआइ) ने इसरो के सहयोग से विमान लैंड कराने की नई तकनीक का सफल परीक्षण किया। इंडिगो एयरलाइन के विमान ने राजस्थान के किशनगढ़ स्थित हवाईअड्डे पर गगन आधारित एलपीवी तकनीक के माध्यम से विमान लैंड कराया। अमेरिका, यूरोप और जापान के बाद भारत चौथा देश है, जिसने यह तकनीक विकसित की है।

अब होगी विमानों की लैंडिंग सुरक्षित

दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित छोटे हवाईअड्डों पर खराब मौसम में हवाई जहाज की लैंडिंग कराना सबसे चुनौतीपूर्ण काम होता है। यही कारण है कि अक्सर मौसम थोड़ा सा खराब होते ही उड़ान रोकनी पड़ती है या उसे डायवर्ट करना पड़ता है। गगन आधारित एलपीवी (लोकलाइजर परफार्मेंस विद वर्टिकल गाइडेंस) तकनीक के प्रयोग से यह समस्या दूर होगी और विमानों की लैंडिंग सुरक्षित होगी।

बहुत महंगी है मौजूदा तकनीक

खराब मौसम या कम दृश्यता में विमान की लैंडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली मौजूदा तकनीक आइएलएस (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) बहुत महंगी है। यही कारण है कि देशभर में सौ से ज्यादा एयरपोर्ट पर अभी तक मात्र 50 से कुछ ही ज्यादा रनवे पर इस

सिस्टम को लगाया गया है। हर रनवे पर यह सुविधा नहीं होने के कारण ही सभी हवाईअड्डों पर देर रात या थोड़े से भी खराब मौसम में विमान लैंडिंग की अनुमति नहीं दी जाती है।

नई तकनीकी से बदल जाएगी व्यवस्था-गगन यानी जीपीएस एडेड जियो आग्मेंटेड नेविगेशन को इसरो ने विकसित किया है। यह नेविगेशन सिस्टम इसरो द्वारा लांच किए गए जीसैट-8, जीसैट-10 और जीसैट-15 सेटेलाइट के माध्यम से काम करता है। इसी गगन को आधार बनाते हुए एएआइ ने इसरो के साथ मिलकर गगन आधारित एलपीवी विकसित किया है। इसकी मदद से रनवे पर आइएलएस के बिना ही सेटेलाइट से मिले डाटा के आधार पर विमान को उतारना संभव होगा।

ऐसे काम करती है तकनीक

अभी आइएलएस के माध्यम से विमान में पायलट को रनवे की स्थिति का पता चलता है। दृश्यता कम होने पर आइएलएस के जरिये पायलट रनवे की स्थिति की विस्तृत जानकारी पाता है और उसके हिसाब से लैंडिंग का फैसला करता है। इसमें रनवे से विमान की ऊंचाई, आखिरी छोर से उसकी दूरी, उतरने के लिए जरूरी कोण आदि की जानकारी मिलती है। आइएलएस नहीं होने की स्थिति में खराब मौसम में लैंडिंग के दौरान आपात स्थिति में पायलट को अपने अनुभव के आधार पर ही फैसला लेना पड़ता है। जरा सी चूक हादसे का कारण बन सकती है। नए एलपीवी में विमान में पायलट को सेटेलाइट के माध्यम से यह सब जानकारी मिल जाएगी। इससे विमान की लैंडिंग सुरक्षित होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है। - अज्ञात

संपादकीय

वैट पर विरोध

जैसे-जैसे महंगाई तनाव बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक बयानबाजी में भी तेजी आ रही है। महंगाई के समय ऐसे विवाद या आरोप-प्रत्यारोप नए नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल पर कुछ राज्यों को वैट घटाने के लिए कहते हुए इसे प्रार्थना बताया है, हालांकि कोई भी राज्य वैट घटाने को बाध्य नहीं है। लेकिन इसके बावजूद राज्यों से जो आवाजें आ रही हैं, उनको सकारात्मक रूप में ही स्वीकार करना चाहिए। कुछ नेताओं को यह शिकायत है कि प्रधानमंत्री ने कोरोना संबंधी बैठक में वैट की चर्चा क्यों की? हालांकि, यह विषय अलग है कि प्रधानमंत्री को ऐसी बैठकों में एक चिंता से हटकर दूसरी चिंता का जिक्र करना चाहिए या नहीं? बहरहाल, यह लगभग परंपरा ही रही है कि केंद्र सरकार ऐसी सलाह राज्यों को देती है, मानने या न मानने के लिए राज्य स्वतंत्र हैं। वैसे आपत्ति दो राज्यों की ओर से तीखी आई है। पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ पार्टियों की राजनीति को समझा जा सकता है। हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं, जब नेता राजनीति का कोई भी अवसर हाथ से जाने नहीं देना चाहते। लेकिन किसी को भी निशाने पर ले लेने का यह चलन प्रशंसनीय नहीं है। महाराष्ट्र में पेट्रोल अपेक्षाकृत महंगा है। मुंबई में प्रति लीटर डीजल से 24.38 रुपये केंद्र सरकार को और 22.37 रुपये राज्य के खाते में जा रहे हैं। वसूली का प्रतिशत पेट्रोल पर भी कमोबेश यही है। मतलब यह कि पेट्रोल, डीजल से केंद्र और राज्य, दोनों को लाभ है। दोनों का एक-दूसरे को दोषी ठहराना वाजिब नहीं है और किसी ने किसी को सीधे दोषी ठहराया भी नहीं है। आम लोगों की नजर से देखें, तो भाव कम करने की जिम्मेदारी दोनों पर है। आम लोगों की परवाह सभी सरकारों को करनी चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारें जीएसटी के लिए सहमत तो हुईं, लेकिन दोनों ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा। ऐसे बहुपयोगी उत्पादों को विशेष वर्ग में रखकर भारी टैक्स लगाना कहां तक सही है, इस पर आम लोगों के हित में विचार करना चाहिए। आम लोगों पर टैक्स लगाना बिल्कुल सही है, लेकिन टैक्स तार्किक व न्यायपूर्ण भी महसूस होना चाहिए। पेट्रोल और डीजल को लेकर शिकायतें पुरानी हैं। अब समय आ गया है कि समाधान किया जाए। बेशक, आज की राजनीति से भी समाधान की उम्मीद की जा सकती है। फिर भी राज्य सरकारों को इस बात पर गौर करना चाहिए कि क्या ऐसे राज्य भी हैं, जहां पेट्रोल-डीजल की कीमत कम है? यह तथ्य तो सामने है कि चेन्नई में पेट्रोल 111 रुपये, जयपुर में 118 रुपये, कोलकाता में 115 रुपये और मुंबई में 120 रुपये प्रति लीटर है। ध्यान दीजिए, लखनऊ में पेट्रोल 105 रुपये के करीब है। उत्तर प्रदेश के लोगों की तुलना में महाराष्ट्र के लोग भला क्यों पंद्रह रुपये ज्यादा कीमत चुका रहे हैं? यह भी गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी, लेकिन महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, झारखंड और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने पेट्रोल, डीजल पर वैट में कटौती नहीं की। यह देखना चाहिए कि ये राज्य आखिर अपनी ओर से टैक्स में कटौती क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या इन राज्यों की माली हालत ज्यादा खराब है? क्या इन राज्यों को केंद्र से पर्याप्त राजस्व नहीं मिल रहा है? यह केंद्र और राज्यों को मिलकर तय करना चाहिए। एक ही देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में समानता होनी चाहिए। लोग तो यही चाहते हैं।

आज के कार्टुन

मानवता

श्रीराम शर्मा आचार्य

मानव-जीवन की सफलता, सौंदर्य और उपयोगिता में वृद्धि जिन नैतिक सुणों से होती है, उनमें सहानुभूति का महत्त्व कम नहीं है। सहानुभूति चरित्र की गरिमा है, जिससे पराये अपने हो जाते हैं। सहानुभूति से मन निर्मल होता है, पवित्रता जागती है और बुद्धि-प्रखरता से व्यक्तित्व निखर उठता है। संत वेलूदलकाक्स का कथन है, 'जब अपनी ओर देखो तो सख्ती से काम लो, दूसरों की ओर देखो तो नम्रता प्रकट करो। अनुचित छोटाकशी से परहेज करो-दोष-दर्शन साधारण मनुष्यों का कार्य है।' इसमें संदेह नहीं है कि दूसरों को गिराने, नीचा दिखाने की वृत्ति आत्महीनता की परिचायक है। निकृष्ट विचारधारा के लोग सदैव समाज में कलह-कटुता के बीज बोते हैं। इससे सभी उनका निरादर करने लगते हैं। उनका विश्वास उठ जाता है और मुसीबत पड़ने पर कोई साथ तक नहीं देता। बीमार पड़े हैं पर दवा का कहीं इंतजाम नहीं। दूध मांगते हैं पर कोई पानी देने को भी तैयार नहीं होता। बड़ी दुर्दशा होती है, कोई पास तक नहीं आता। पर किया क्या जाए, जिसने दूसरों के साथ उदारता, करुणा, शालीनता, सभ्यता, मुक्तहस्तता एवं दयालुता का कभी भी रु ख न अपनाया हो, उसको आड़े वक्त कोई सहयोग न करे, सहायता न दे तो इसमें आश्चर्य करने की कौन-सी बात है। दूसरों को जीतने के लिए सहानुभूति रामबाण है। 'सह' का अर्थ है साथ-साथ अर्थात उस जैसा। अनुभूति का अर्थ है अनुभव, बोध। जैसी उसकी अवस्था हो वैसी ही अपनी, इसी का नाम सहानुभूति है। एक व्यक्ति पीड़ा से छटपटा रहा है, पांव टूट गया है, कष्ट के मारे तड़फड़ा रहा है। दूसरा व्यक्ति बगल में खड़ा है, उससे यह देखा नहीं जाता। यह कष्ट मुझे होता तो कितनी तकलीफ होती, वह इस भावना मात्र से छटपटा उठता है। उसकी भी दशा ठीक वैसी ही हो जाती है, जैसी चोट खाए व्यक्ति की। झट डॉक्टर को बुलाता है, घाव साफ करता है और दवा लगाता है। दूसरों की मुसीबतों को अपना दुःख समझ कर सेवा करने का नाम सहानुभूति है। यह मानवता का उच्च नैतिक गुण है। वॉल्ट विटमैन के शब्दों से यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि सहानुभूति किसे कहते हैं। उन्होंने लिखा है, 'मैं विपत्तिग्रस्त मनुष्य से यह नहीं पूछता कि तुम्हारी दशा कैसी है वरन-मैं स्वयं भी आपदग्रस्त बन जाता हूं।

अच्छे नेतृत्व की जरूरत

(लेखक- सुरेश हिन्दुस्थानी)

वर्तमान में कांग्रेस के राजनीतिक प्रभाव के नकारात्मक रुख को देखकर कोई भी व्यक्ति उसकी तरफ आकर्षित नहीं हो रहा है। तमाम राजनीतिक विश्लेषक कांग्रेस को एक ऐसे डूबते हुए जहाज की संज्ञा दे चुके हैं, जिस पर कोई भी व्यक्ति सवार होने से पहले सौ बार सोचता है। हालांकि कांग्रेस अपनी डूबती नाव को किनारे पर लाने का गंभीरता से प्रयास करती हुई दिखाई देने लगी है। लेकिन यह प्रयास कांग्रेस में सुधार करने के नहीं कहे जा सकते। यह मात्र सत्ता प्राप्त करने की लालसा ही कही जा सकती है। अभी हाल ही में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को कांग्रेस में शामिल करने के प्रयास को भी इसी दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। अब प्रशांत किशोर की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि वे अब कांग्रेस के साथ नहीं जाएंगे। ऐसे में सवाल यह भी उठने लगे हैं कि क्या वास्तव में कांग्रेस उस स्थिति में पहुंच चुकी है, जहां से पुनरोदय की आशा समाप्त हो जाती है। कांग्रेस की वर्तमान स्थिति के बारे में अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता दिखाई देता है कि पार्टी में कोई चमत्कारिक नेता नहीं बचा है। इसलिए कांग्रेस नए प्रकार से सोचने के लिए विवश है। कांग्रेस की डूबती नाव को सहारा देने के लिए चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर विश्वास करने के अलावा कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था। लेकिन आज कांग्रेस की स्थिति को देखकर उन्हें भी यही लगा होगा कि कांग्रेस फिलहाल इसी स्थिति में रहेगी। वैसे भी उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ प्रशांत किशोर का अनुभव ठीक नहीं रहा। इस चुनाव में कांग्रेस ने प्रशांत किशोर के साथ असफलता का ऐसा चिन्ह स्थापित किया है, जो उनके साथ हमेशा लगा रहेगा। वास्तव में प्रशांत किशोर का कांग्रेस के साथ नहीं जाना एक प्रकार से उनकी रणनीति का ही हिस्सा है, क्योंकि कांग्रेस का भलीभांति अध्ययन करने के बाद प्रशांत किशोर नहीं चाहते होंगे कि असफलता का एक और टैग उनके साथ चिपक जाए। कांग्रेस को उबारना प्रशांत किशोर के लिए इसलिए भी टेड़ी खीर है, क्योंकि जब कांग्रेस नेतृत्व ही अपने नेताओं के निशाने पर है, तब प्रशांत किशोर किस आशा के साथ कांग्रेस को उबारने का संकल्प लेने के लिए उतावले दिखाई दिए। आज की कांग्रेस में विसंगति यह है कि हर नेता अपने आपको राष्ट्रीय स्तर का ही मानने की भूल कर बैठा है, वह कांग्रेस को अपने हिसाब से ही चलाना चाहता है। इसलिए समूह 23 में शामिल नेता अपने आपको कांग्रेस का बड़ा नेता तो मानते हैं, लेकिन अपने नेतृत्व पर निशाना साधने से भी नहीं चूकते। वास्तव में यह विरोधाभास नहीं, बल्कि एक खुली बगावत ही कही जाएगी। कांग्रेस नेताओं के बगावती बयान केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही उठ रहे हैं, ऐसा नहीं है। राज्यों में भी इस प्रकार के तेवर कांग्रेस का संकट बढ़ाने का काम कर रहे हैं। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि कांग्रेस को मेरी नहीं, अच्छे नेतृत्व की जरूरत है। इसका आशय यही है कि कांग्रेस इसलिए कमजोर होती जा रही है, क्योंकि उसका नेतृत्व कमजोर है। यही बात समूह 23 के नेता बहुत पहले से कहते रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता इस पर विचार मंथन करने की बजाय वही करती जा रही है, जो उसके पतन का कारण है। कांग्रेस का इतिहास रहा है कि जब भी कांग्रेस का नेतृत्व गैर गांधी परिवार के हाथों में रहा है, तब गांधी परिवार कांग्रेस में निर्णायक नहीं रहा। वर्तमान में सोनिया गांधी की कार्यप्रणाली से ऐसा ही लग रहा है कि वे अपने पुत्र राहुल गांधी और पुत्री प्रियंका वाड्रा को किनारे करने की मानसिकता में नहीं हैं। इसलिए नेतृत्व परिवर्तन पर विचार होगा, इस बात की गुंजाइश कम ही है। आज की कांग्रेस की एक बड़ी कमजोरी यह भी है कि वह गांधी परिवार के अलावा किसी को अपना नेता मानने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि बाकी कांग्रेस के नेताओं के अपने अपने समूह हैं। जो एक दूसरे को पसंद नहीं करते। यानी कांग्रेस कई धड़ों में बिखरी हुई दिखाई देगी। फिर कांग्रेस को संभालना और भी ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। आज कांग्रेस की एक और बड़ी समस्या यह है कि उसके बड़े-बड़े राजनीतिक शूरमा कांग्रेस से किनारा कर चुके हैं और कुछ किनारा करने की सोच रहे हैं। जो कांग्रेसी दूसरे दलों की विचारधारा को आत्मसात कर चुके हैं, वे निश्चित ही कांग्रेस की कमजोरी का कारण ही बनेंगे। पंजाब विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस की अप्रत्याशित पराजय का कारण उसका राज्य नेतृत्व ही रहा। सरकार और संगठन के मुखिया एक दूसरे के खिलाफ ही अपनी ताकत आजमाते रहे। इसी प्रकार की स्थिति राजस्थान में भी कई बार बनी है और आगे भी बनी रह सकती है। अशोक गहलौत और सचिन पायलट के बीच राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई अब किसी से छिपी नहीं है। अभी हाल ही में जिस प्रकार से सचिन पायलट की सोनिया गांधी से मुलाकात हुई है, उसे अशोक गहलौत पचा नहीं पा रहे। अशोक गहलौत ने अप्रत्यक्ष रूप से त्याग पत्र देने की धमकी दे दी। इसलिए यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस के अंदर जो लावा सुलग रहा है, वह कभी भी फूट सकता है। इसी प्रकार के हालात गुजरात में भी बनते दिखाई देने लगे हैं। वहां हार्दिक पटेल ने अपने ही प्रादेशिक नेतृत्व पर सवालों की झड़ी लगा दी है। इसी प्रकार उत्तरप्रदेश में कांग्रेस की स्थिति पूरी तरह से भंवर में समा गई है। कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तरप्रदेश से होकर जाता है। हालांकि पिछले दो दशकों से यह परिभाषा बदलती हुई दिखाई दी। लेकिन लोकसभा की सीटों के हिसाब से यह परिभाषा आज भी सटीक बैठती है। यानी कांग्रेस को अपनी हालत सुधारनी है तो उसे उत्तर प्रदेश पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में पूर्व में भी कई प्रयोग किए। लेकिन वे सभी प्रयोग फैल होते दिखाई दिए। विरासती पृष्ठभूमि को आधार बनाकर एक चमत्कारिक नेता के रूप में प्रियंका गांधी को उत्तर प्रदेश के राजनीतिक मैदान में उतारा, लेकिन वे भी लौट के बुद्धू घर को आए वाली कहावत को चरितार्थ करती हुई दिखाई दीं। आज कांग्रेस की हालत यह है कि उसे कोई भी दो कौड़ी के भाव नहीं पूछ रहा। अभी हाल ही में राहुल गांधी ने मायावती से गठबंधन के बारे में वार्ता का जिक्र किया, जिसे मायावती ने सिरे से खारिज कर दिया। जिसके बाद कहा जा रहा है कि राहुल गांधी ने इस मामले पर भी झूंठ ही बोला। ऐसी ही राजनीति के कारण कांग्रेस पार्टी अविश्सनीय होती जा रही है। कांग्रेस जानती है कि उसकी आगे की राह आसान नहीं है, उसे भाजपा के रूप में बहुत बड़ी चुनौती मिल रही है। इस चुनौती को आज की स्थिति में कांग्रेस स्वीकार कर पाने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि भाजपा अपने पत्ते बड़ी सावधानी से खोलती है। कांग्रेस के लिए प्रशांत किशोर ने जो कहा है, उस कांग्रेस अमल करती तो कुछ उम्मीद बन सकती है, अन्यथा की स्थिति में कांग्रेस केवल गांधी और नेहरू परिवार की ही बनकर रह जाएगी। ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता उसका साथ छोड़ सकते हैं।

भारत की सबसे ताकतवर मिसाइल है ब्रह्मोस

(सामरिक लेख/ लेखक- योगेश कुमार गोयल)

भारत का अचूक ब्रह्मास्त्र मानी जाने वाली 'ब्रह्मोस' सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल एक के बाद एक सफलता के नए-नए पड़ाव पार करते हुए अपनी क्षमताओं और ताकत से पूरी दुनिया को हतप्रभ कर रही है। ब्रह्मोस मिसाइल जब करीब तीन हजार किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ती है तो किसी भी देश की वायु रक्षा प्रणाली के लिए इसे रोक पाना लगभग नामुमकिन हो जाता है। पिछले दिनों सफलता का एक और पड़ाव पार करते हुए ब्रह्मोस ने एक ही लक्ष्य के खिलाफ दो सफल वार किए। पहला परीक्षण भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस दिल्ली द्वारा देश के पूर्वी समुद्र तट पर एक जहाज को निशाना बनाते हुए किया गया और बिना वारहेड वाली ब्रह्मोस मिसाइल ने इस जहाज में एक बड़ा सुराख बना दिया। इस सफल परीक्षण के बाद ब्रह्मोस मिसाइल के एयर-लांच संस्करण से लैस भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई विमान ने एयरबेस से उड़ान भरते हुए उसी जहाज पर पुनः वार किया और ब्रह्मोस के वारहेड से सीधे टकराने के बाद जहाज पानी में डूब गया। इन परीक्षणों के लिए भारतीय वायुसेना तथा नौसेना द्वारा एक-दूसरे के साथ समन्वय किया गया था। भारत और रूस के संयुक्त प्रयासों से बनाई गई सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' के अलग-अलग संस्करणों के अभी तक कई परीक्षण किए जा चुके हैं और सभी परीक्षणों में ब्रह्मोस ने अपनी जो ताकत दुनिया को दिखाई है, उससे यह हिन्द की बाहुबली और रण की बॉस ही साबित हुई है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि निकट भविष्य में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के अभी और भी प्रक्षेपण होने जा रहे हैं। वैसे पहले से बनी इन शक्तिशाली मिसाइलों को अब और ज्यादा शक्तिशाली बनाते हुए भारत पूरी दुनिया को अपनी स्वदेशी ताकत का अहसास कराने का भी सफल प्रयास कर रहा है। ब्रह्मोस अपनी श्रेणी में दुनिया की सबसे तेज परिचालन प्रणाली है और डीआरडीओ द्वारा इस मिसाइल प्रणाली की सीमा को 290 किलोमीटर से बढ़ाकर करीब 450 किलोमीटर तक किया जा चुका है। लंबी दूरी पर मौजूद लक्ष्यों पर अचूक प्रहार करने की अपनी क्षमता को विभिन्न परीक्षणों में बखूबी प्रदर्शित कर चुकी ब्रह्मोस की ताकत को इसी से समझा जा सकता है कि इसकी रफ्तार ध्वनि की गति से करीब तीन गुना ज्यादा है। ब्रह्मोस अब न केवल भारत के तीनों सशस्त्र बलों के लिए एक बेहद शक्तिशाली हथियार बन गई है बल्कि गर्व का विषय यह है कि अभी तक जहां भारत अमेरिका, फ्रांस, रूस इत्यादि दूसरे देशों से मिसाइलें व अन्य सैन्य साजोसामान खरीदता रहा है, वहीं भारत अपनी इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को दूसरे देशों को निर्यात करने की दिशा में अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल को पनडुब्बियों, विमानों और जमीन से अर्थात् तीनों ही स्थानों से सफलतापूर्वक लांच किया जा सकता है, जो भारतीय वायुसेना को समुद्र अथवा जमीन के किसी भी लक्ष्य पर हर मौसम में सटीक हमला करने के लिए सक्षम बनाती है। बेहद ताकतवर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें भारतीय वायुसेना के 40 से भी अधिक सुखोई लड़ाकू विमानों पर लगाई जा चुकी हैं, जिससे सुखोई लड़ाकू विमान पहले से कई गुना ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। सुखोई विमान की दूर तक पहुंच के कारण ही इस विमान को 'हिंद महासागर क्षेत्र का शासक' भी कहा जाता है और ब्रह्मोस से लैस सुखोई अब दुश्मनों के लिए बेहद घातक हो गए हैं। ब्रह्मोस मिसाइल मध्यम रेंज की रेमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे पनडुब्बियों, युद्धपोतों, लड़ाकू विमानों और जमीन से दागा जा सकता है। यह दस मीटर की ऊंचाई पर भी उड़ान भर सकती है और रडार के अलावा किसी भी अन्य मिसाइल पहचान प्रणाली को धोखा देने में भी सक्षम है, इसीलिए इसे मार गिराना लगभग असंभव माना जाता रहा है। इस मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र नदी तथा रूस की मस्कवा नदी को मिलाकर रखा गया है और इसका 12 जून 2001 को पहली बार सफल लांच किया गया था। यह मिसाइल दुनिया में किसी भी वायुसेना के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। मिसाइलें प्रमुख रूप से दो प्रकार की होती हैं, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल। क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों में अंतर यही है कि क्रूज मिसाइल बहुत छोटी होती हैं, जिन पर ले जाने वाले बम का वजन भी ज्यादा नहीं होता और अपने छोटे आकार के कारण उन्हें छोड़े जाने से पहले बहुत आसानी से छिपाया जा सकता है जबकि बैलिस्टिक मिसाइलों का आकार काफी बड़ा होता है और वे काफी भारी वजन के बम ले जाने में सक्षम होती हैं। बैलिस्टिक मिसाइलों को छिपाया नहीं जा सकता, इसलिए उन्हें छोड़े जाने से पहले दुश्मन द्वारा नष्ट किया जा सकता है। क्रूज मिसाइल वे मिसाइलें होती हैं, जो कम ऊंचाई पर तेजी से उड़ान भरती हैं और रडार की आंखों से भी आसानी से बच जाती हैं। बैलिस्टिक मिसाइल उर्ध्वाकार मार्ग से लक्ष्य की ओर बढ़ती हैं जबकि क्रूज मिसाइल पृथ्वी के समानांतर अपना मार्ग चुनती हैं। छोड़े जाने के बाद बैलिस्टिक मिसाइल के लक्ष्य पर नियंत्रण नहीं रहता जबकि क्रूज मिसाइल का निशाना एकदम सटीक होता है। डीआरडीओ अब रूस के सहयोग से ब्रह्मोस मिसाइल की मारक दूरी को और भी ज्यादा बढ़ाने के साथ इन्हें हाइपरसोनिक गति पर उड़ाने पर भी कार्य कर रहा है। दरअसल सुपरसोनिक मिसाइलों की गति ध्वनि की रफ्तार से तीन गुना अर्थात् तीन मैक तक होती है और इनके लिए रैमजेट इंजन का प्रयोग किया जाता है जबकि हाइपरसोनिक मिसाइलों की रफ्तार ध्वनि की गति से पांच गुना से भी ज्यादा होती है और इनके लिए स्क्रैमजेट यानी छह मैक स्तर के इंजन का प्रयोग किया जाता है। फिलहाल ब्रह्मोस के जो संस्करण उपलब्ध हैं, वे सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें ही हैं, जो ध्वनि के वेग से करीब तीन गुना अधिक 2.8 मैक गति से अपने लक्ष्य पर जबरदस्त प्रहार करती हैं। यह दुनिया में अपनी तरह की ऐसी एकमात्र क्रूज मिसाइल है, जिसे सुपरसॉनिक स्पीड से दागा जा सकता है। दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस अपने लक्ष्य के करीब पहुंचने से मात्र बीस किलोमीटर पहले भी अपना रास्ता बदल सकने वाली तकनीक से लैस है और यह केवल दो सैकेंड में चौदह किलोमीटर तक की ऊंचाई हासिल कर सकती है।

सू-दोकू नवताल -2104

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

सू-दोकू 2103 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2104

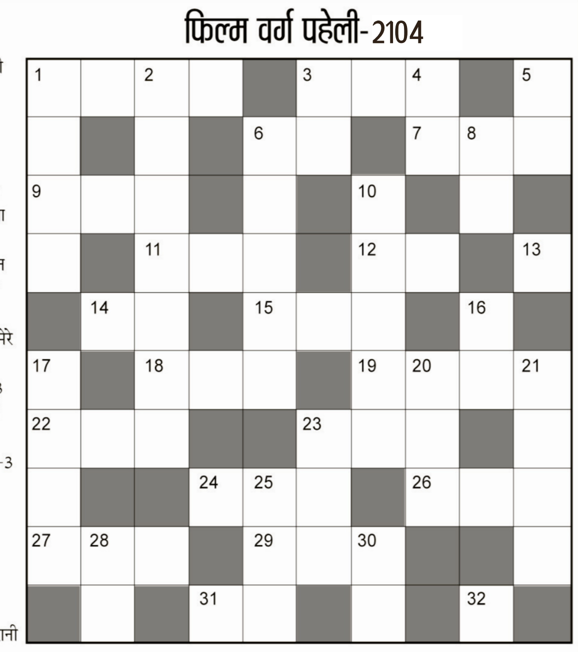

बायें से दायें:-

1.आफताब शिवदासानी, एशा देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-4
3.'दिल में तुझे बिठा के' गीत वाली शशि कपूर, शबाना आजमी की फिल्म-3
6.'बेदर्दी तेरे प्यार ने दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
7.इमरान हाशमी, उदिता गोस्वामी, की 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली फिल्म-3
9.'चंदा की चांदनी को देखा है' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-3
11.बॉबी देओल, रितेश देशमुख, प्रियंका चोपड़ा की 'दिल तेरी दीवानगी में खो गया है' गीत वाली फिल्म-3
12.फिल्म 'रामकसम' में सुनील दत्त के साथ नायिका कौन थी-2
13.रामगोपाल वर्मा द्वारा निर्मित तथा मनीष श्रीवास्तव निर्देशित गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की एक ताजा फिल्म-1
14.'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-2
15.'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
18.नायक धर्मेन्द्र की फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका कौन-3
19.'लो मेरा प्यार ले लो' गीत वाली राकेश रोशन, योगिता बाली की फिल्म-4
22.राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-3
23.फिल्म 'छलिया' के गीत 'मेरे टूटे हुए दिल से' के गीतकार का प्रथम नाम-3
24.'छोटा सा घर होगा बादलों की छांव में' गीत वाली किशोर कुमार की फिल्म-3
26.जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट अभिनीत फिल्म-3
27.मिथुन चक्रवर्ती, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
29.शत्रुघ्न सिन्हा की 'बरखा रानी जरा जम के बरसो' गीत वाली फिल्म-3
31.'दो नैनों के पंख लगा कर' गीत वाली विनोद खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1.'मेरे दिल ने तड़प के' गीत वाली राजेश खन्ना, सिम्पल कपाड़िया की फिल्म-4
2.धर्मेन्द्र, रेखा की 'अरे रफ्ता रफ्ता देखो आंख मेरी लड़ी है' गीत वाली फिल्म-3,3,1
3.'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली आमिर खान, काजोल की फिल्म-2
4.डिनो, बिपाशा की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
5.'दिल में जागी धड़कन जैसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
6.जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'नैनों में सपना, सपनों में सजना' गीत वाली फिल्म-5
8.नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्राफ, नगमा की 'मत पूछ मेरे महबूब सनम' गीत वाली फिल्म-2
10.'ये है रेशमी जुल्फों का' गीत वाली बिस्वजीत, आशा पारेख की फिल्म-2,3
16.अजय देवगन, रवीना टंडन की 'मैं नये जमाने की लैला' गीत वाली फिल्म-2
17.'दर्पण को देखा तूने जब जब किया सिंगार' गीत वाली फिरोज खान, संजय खान, मुमताज की फिल्म-4
20.'धक धक दिल मेरी' गीत वाली फिल्म 'मजबूर' में सनी के साथ नायिका कौन थी-3
21.धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरुद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली फिल्म-4
23.'हां जुदाई से डरता है दिल' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-3
25.लकी अली और पाकिस्तानी अभिनेत्री मीरा की 'बेचैनियों में लम्हा' गीत वाली फिल्म-3
28.देव आनंद वाली फिल्म 'बनारसी बाबू' की नायिका कौन थी-2
30.ऋषि, टीना मुनीम की 'दर्दे दिल दर्दे जिगर दिल में जगाया आपने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2103

प	हे	ली		जु	बै	दा		दौ	
र		ड	र		रा		स	ड़	क
दे	व	र		दा	ग		त्य		र्ज
स	र		शि	वा		शि	का	र	
	दा	न	व		चा		म	जा	ल
शा	न		रा	ज	ह	ठ		मु	
ली		ओ	म		त		श	रा	बी
मा	सू	म		फ		दा	मा	द	
र		का	पों	रे	ट				जू
	ही	रा		ब		अ	न	क	ही

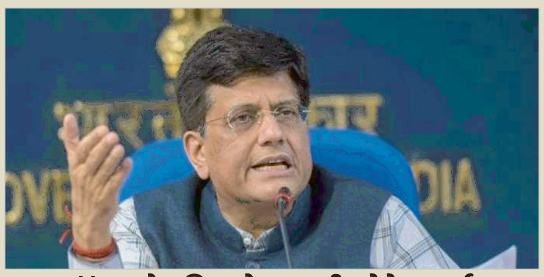

कुछ डॉलर के लिए देश नहीं छोड़ें स्टार्टअप कंपनियांः गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टार्टअप से भारत में पंजीकरण कराने और सूचीबद्ध होने को कहा। उन्होंने सिर्फ कुछ डॉलर के लिए देश नहीं छोड़ने की अपील की। गोयल ने उन्हें सुझाव दिया कि अगर कोई मुद्दा या समस्या है, तो वे इसके बारे में सरकार को सूचित करें ताकि उसका समाधान हो सके। लेकिन मैं एक बार फिर आग्रह करूंगा कि आप भारत में पंजीकरण करायें और सूचीबद्ध हों। अगर कोई मुद्दा या समस्या है, तो वे इसके बारे में सरकार को सूचित करें ताकि उसका समाधान हो सके। गोयल ने उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में कहा, केवल कुछ डॉलर के लिए कर मामले में पनाहगाह समझे जाने वाले क्षेत्र या अन्य देशों में जाने के लिये कृपया देश को नहीं छोड़िये। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि भारत को अपने बाजार के रूप में देखें। यह आपका देश है, जहां आप पंजीकरण कराएं, काम कीजिए, सूचीबद्ध होइये और अपना कर दीजिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सफल उद्यम देश के दूरदराज के इलाकों में काम करने पर गौर करें जहां प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। गोयल ने उद्यम पूंजी कोष से बौद्धिक संपदा संपत्ति का संरक्षण करने को भी कहा जो घरेलू युवा उद्यमी सृजित कर रहे हैं।

सरकार 27.5-28.5 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम रख सकती है!

नई दिल्ली । सरकार 27.5-28.5 गीगाहट्र्ज फ्रिक्वेंसी के स्पेक्ट्रम की नीलामी संभवतः नहीं करेगी और इस बैंड को उपग्रह सेवाओं के लिए रखेगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने इस फ्रिक्वेंसी बैंड के लिए आधार मूल्य की सिफारिश की है और सुझाव दिया है कि इसका इस्तेमाल मोबाइल के साथ-साथ उपग्रह सेवाओं के लिए भी किया जा सकता है। जानकारी के मुतो बिक दूरसंचार विभाग सिर्फ 27.5 गीगाहट्र्ज तक के स्पेक्ट्रम की नीलामी पर विचार कर रहा है क्योंकि दोनों सेवाओं के बीच इसे बांटना कठिन होगा। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा` कि ट्राई को यह जानकारी है कि 5जी और उपग्रह सेवा प्रदाताओं के लिए साथ में काम करना मुश्किल होगा। हम सिर्फ 27.5 गीगाहट्र्ज तक की नीलामी करेंगे। दूरसंचार विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि विभाग में अभी कई तरह की बातों पर विचार चल रहा है और अभी तक कुछ भी तय नहीं है। एक अधिकारी ने कहा` कि डिजिटल संचार आयोग (डीसीसी) इस विषय में फैसला लेगा। यह ट्राई को अपनी प्रतिक्रिया देगा और उसके आधार पर डीसीसी अपने निर्णय लेगा। ओ खिरी फैसला मंत्रिमंडल का होगा। अभी तक कुछ तय नहीं है।

कैपेसिट इंफ्राप्रोजेक्ट्स को 827 करोड़ के नए ऑर्डर मिले

नई दिल्ली । निर्माण क्षेत्र की कंपनी कैपेसिट इंफ्राप्रोजेक्ट्स को 827 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर हो सिल हुए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नए ऑर्डर के साथ कंपनी की ऑर्डर बुक 9,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। उसने कहा` कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के जानेमाने ग्राहकों से कंपनी को 827 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मिली हैं। कैपेसिट इंफ्राप्रोजेक्ट्स के एक अे धिकारी ने कहा` कि इन नए ऑर्डर से उच्च वृद्धि वाले कारोबार में अपनी स्थिति को और मजबूत करने में हमें मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में नए ऑर्डर मिलने से और मौजूद ऑर्डर के बूते कंपनी को आगामी तिमाहियों में अच्छी वृद्धि दर्ज करने का भरोसा है।कैपेसिट इंफ्राप्रोजेक्ट्स आवास, व्यावसायिक अस्पतालों, होटलों और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए निर्माण सेवाएं देती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट ऊर्जा, बैंक और तकनीकी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके साथ ही एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस जैसे शेयरों में बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अच्छी शुरूआत के बाद भी अंत में 460.19 अंक करीब 0.80 फीसदी की बढ़त के साथ 57,060.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 57,975.48 के उच्च स्तर और 56,902.30 के निचले स्तर तक फिसला। वहीं पचास शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 142.50 अंक करीब 0.83 फीसदी नीचे आकर 17,102.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, विप्रो, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति, टाइटन और एनटीपीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। इसके विपरीत कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, टाटा स्टील और डा. रेड्डीज समेत अन्य शेयर लाभ में रहे। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने कई दिनों की बिकवाली के बाद लिवाली की हालांकि उसके बाद भी बाजार को सहारा नहीं मिला और यह नीचे आया।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तेजी

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले शुक्रवार को रुपये में तेजी आई है। रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 76.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर तक पहुंच गया। वहीं विदेशी बाजारों में अमेरिका मुद्रा के मूल्य में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी रुपये को बल मिला है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 76.62 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान यह 76.29 के उच्चतम और 76.63 के निचले स्तर तक पहुंचा। अंत में यह 18 पैसे मजबूत होकर 76.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का आंकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.57 की गिरावट के साथ ही 103.03 पर कारोबार पर पहुंच गया।

मारुति सुजुकी का एकीकृत शुद्ध लाभ 1,875.8 करोड़ रुपये पर पहुंचा

मुंबई । देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी का एकीकृत शुद्ध लाभ 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 51.14 प्रतिशत उछलकर 1,875.8 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 1,241.1 करोड़ रुपये था। इसके अलावा बीते वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 26,749.2 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में 24,034.5 करोड़ रुपये थी। मारुति ने तिमाही के दौरान 4,88,830 वाहन बेच दिए हैं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 0.7 प्रतिशत कम है। कंपनी के अनुसार पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 11.6 प्रतिशत घटकर 3,879.5 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह 4,389.1 करोड़ रुपये था। वहीं बीते वित्त वर्ष में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 88,329.8 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में 70,372 करोड़ रुपये थी। मारुति सुजुकी ने कहा, ''बीते वित्त वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कमी के कारण लगभग 2,70,000 वाहनों का उत्पादन प्रभावित हुआ। इसमें ज्यादातर घरेलू मॉडल थे। इसकी वजह से वित्त वर्ष के अंत में लगभग 268,000 वाहनों की ग्राहक बुकिंग लंबित थी।''

अमेजन फायर टीवी क्यूब अब हियरिंग एड्स के लिए सीधे ऑडियो स्ट्रीमिंग को सपोर्ट करेगा

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज अमेजन ने घोषणा की है कि उसका फायर टीवी क्यूब (सेकंड जेनेरेशन) अब ब्लूटूथ हियरिंग एड्स को सीधे जोड़ने के लिए ऑडियो स्ट्रीमिंग फॉर हियरिंग एड्स (आशा) का समर्थन करता है।

कंपनी ने कहा कि फायर टीवी आशा का समर्थन करने वाला पहला स्ट्रीमिंग मीडिया प्लेयर है। कंपनी ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, इस सुविधा के साथ, आपके हियरिंग एड्स सिस्टम स्तर पर फायर टीवी से जुड़ते हैं, इसलिए आप न केवल अपने पसंदीदा ऐप से ऑडियो का आनंद ले सकते हैं, बल्कि एलेक्सा, संगीत, नेविगेशनल साउंड और भी बहुत कुछ कर सकते हैं। कंपनी ने आगे कहा, अनुकूल स्टार्की ब्लूटूथ हियरिंग एड्स वाले ग्राहक सीधे फायर टीवी क्यूब से जुड़ सकते हैं, स्ट्रीमिंग ऑडियो स्तर को नियंत्रित करने के लिए अपने रिमोट के वॉल्यूम बटन का उपयोग कर सकते हैं। ब्लूटूथ हियरिंग एड्स फायर टीवी से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता पसंदीदा स्ट्रीमिंग सेवाओं, ऐप्स और गेम के साथ-साथ एलेक्सा से निजी ऑडियो का आनंद ले सकते हैं। हियरिंग एड्स को जोड़ने के लिए, उपयोगकर्ता फायर टीवी सेटिंग्स, एक्सेसिबिलिटी पर जा सकते हैं, हियरिंग एड का चयन कर सकते हैं और उन्हें कनेक्ट करने के लिए ऑन-स्क्रीन निर्देशों का पालन कर सकते हैं, ठीक उसी तरह जैसे आप ब्लूटूथ हेडफोन के साथ करते हैं।कंपनी ने कहा, सबसे अच्छा अनुभव के लिए, हम ग्राहकों को 5 गीगाहट्र्ज वाईफाई नेटवर्क से 10 फीट के भीतर और फायर टीवी क्यूब से जुड़ने की सलाह देते हैं। आगे कहा गया, श्रवण यंत्रों के छोटे आकार के कारण, उनके रेडियो एंटेना को सबसे अच्छे कनेक्शन के लिए निकटता की आवश्यकता होती है। 2.4 गीगाहट्र्ज वाईफाई वाले ग्राहक अभी भी सुविधा का आनंद ले सकते हैं, जिसकी रेंज स्पेक्ट्रम की भीड़ के आधार पर भिन्न होती है।

एप्पल ने आपूर्ति बाधाओं के बावजूद पहली तिमाही में 50.6 अरब डॉलर के आईफोन बेचे

नई दिल्ली।

आईफोन 13 सीरीज और आईफोन एसई की सफलता पर सवार होकर रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन के लॉकडाउन से वैश्विक आपूर्ति के मुद्दे बढ़ने के बावजूद एप्पल ने अपनी मार्च तिमाही में साल-दर-साल 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 50.6 बिलियन डॉलर के आईफोन बेचे। कंपनी ने कहा कि वे आईफोन 13 परिवार को लगातार मजबूत ग्राहक प्रतिक्रिया और नए आईफोन एसई के लॉन्च की बदौलत ये आंकड़े हासिल करने में सक्षम थे। एप्पल के मुख्य वित्तीय अधिकारी लुका मेस्त्री ने गुरुवार की देर रात अर्निंग कॉल के दौरान कहा, हमने विकसित और उभरते दोनों बाजारों में मार्च तिमाही का रिकॉर्ड बनाया है। अभूतपूर्व एम1 अल्ट्रा के साथ, एप्पल ने अपने आईफोन की पेशकश का भी विस्तार किया, आईफोन 13 लाइनअप में दो सुंदर हरे रंग की फिनिश को जोड़ा और नया 5जी-सक्षम आईफोन एसई पेश किया। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा, आईफोन एसई हमारे मौजूदा यूजर्स के लिए बहुत अच्छा है जो एक छोटा आईफोन चाहते हैं और पहली बार आईफोन खरीदने वाले लोगों के लिए एक अच्छा मूल्य है। वे प्यार करते हैं कि हमने इस तरह के एक किफायती डिवाइस में कितनी शक्ति और प्रदर्शन डाला है और इसके अविश्वसनीय के बारे में उत्साहित हैं। मैक के लिए 10.4 अरब डॉलर का राजस्व आपूर्ति की कमी के बावजूद मार्च तिमाही का रिकॉर्ड था, जिसमें एम 1-संचालित मैकबुक प्रो की मजबूत मांग के कारण साल-दर-साल 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। निरंतर आपूर्ति बाधाओं के कारण आईपैड का राजस्व 7.6 अरब डॉलर था, जो साल दर साल 2 प्रतिशत कम था। मेस्त्री ने कहा, हमारे नए एम1-संचालित आईपैड एयर सहित हमारे आईपैड लाइनअप के लिए ग्राहकों की प्रतिक्रिया बहुत मजबूत बनी हुई है और आईपैड का हमारा स्थापित आधार तिमाही के दौरान एक नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें आधे से अधिक ग्राहक तिमाही के दौरान आईपैड खरीद रहे हैं। कंपनी ने कहा कि वियरेबल्स, होम और एक्सेसरीज ने मार्च तिमाही में 8.8 अरब डॉलर का रिकॉर्ड बनाया है, जो साल दर साल 12 फीसदी ज्यादा है।

अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा घटकर 856 करोड़ हुआ

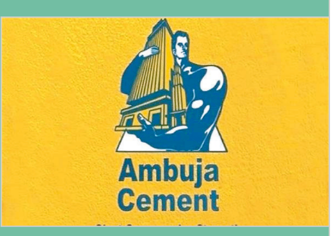

नई दिल्ली ।

स्विट्जरलैंड की भवन निर्माण सामग्री क्षेत्र की कंपनी होल्सिम ग्रुप की इकाई अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा मार्च, 2022 में समाप्त पहली तिमाही में 30.26 प्रतिशत घटकर 856.46 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष जनवरी से दिसंबर होता है। इससे पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 1,228.24 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 2.4 प्रतिशत बढ़कर 7,900.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 7,714.81 करोड़ रुपए रही थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च 10.3 प्रतिशत बढ़कर 6,813.15 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 6,176.76 करोड़ रुपए था।

इलेक्ट्रिक व्हीकल के मार्केट पर टाटा का दबदबा

-टाटा जल्द ही अल्ट्रोज ईवी को उतारेगी की बाजार में

नई दिल्ली ।

भारत की इलेक्ट्रिक व्हीकल की मार्केट पर टाटा का दबदबा है। अब टाटा की नई ईवी कार से संबंधित एक बड़ी जानकारी सामने आई है। अब कार से संबंधित तस्वीरें सामने आ गई हैं। टाटा कंपनी ने अल्ट्रोज ईवी की टेस्टिंग की थी और अब कैमफ्लेज में लिपटी अल्ट्रोज ईवी की तस्वीरें बता रही हैं कि इसके लुक पर कंपनी ने खासा ध्यान दिया है। टाटा ने हाल ही में अल्ट्रोज डीसीए लॉन्च की है, अभी तक साफ नहीं हो पाया है कि कंपनी ने अल्ट्रोज के किस वैरिएंट की टेस्टिंग की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि टाटा ने अल्ट्रोज ईवी की ही टेस्टिंग की है। कंपनी ने अभी तकअल्ट्रोज ईवी की टेक्नोलॉजी के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। अभी तक सामने आई जानकारी के मुताबिक, ये झिपट्रोन इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी के साथ ही लॉन्च की जाएगी। इसकी बैटरी और पावर फिगर भी अन्य कारों से विभिन्न होगा। टाटा अल्ट्रोज ईवी अपने काउंटरपार्ट कारों से थोड़ी महंगी हो सकती है। अल्ट्रोज के अलावा टाटा अपने पुराने वैरिएंट पर भी खासा ध्यान दे रहा है। अभी नेक्सान ईवी 30.2 केडब्ल्यूएच की बैटरी के साथ आता है जबकि कंपनी अब नई नेक्सानईवी 40केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ लाने की तैयारी कर रहा है। टाटा अभी क्लेम करता है कि नेक्सान ईवी की ड्राइविंग रेंज 312 केएम है, जिसे कंपनी 400 केएम तक करने का प्रयास कर रही है। नेक्सान ईवी की रीयल-लाइफ ड्राइविंग रेंज 200 से 250 किलोमीटर है। टाटा इसकी रेंज 300 किलोमीटर तक करेगा, इससे लोगों को लंबा सफर करने में काफी मदद मिलेगी।अभी भारत में उपलब्ध इलेक्ट्रिक कारों की कीमत 6-10 लाख रुपए के बीच में है। अल्ट्रोज के डीसीटी वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 8.10 लाख से 9.90 लाख रुपए के बीच में है।

टेरा-लूना में बड़ी गिरावट, डॉजकॉइन और बिटकॉइन चढ़े

नई दिल्ली । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में शुक्रवार सुबह 0.18 फीसदी की तेजी दर्ज की गई थी। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप बढ़कर 1.81 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। दोनों बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन और इथेरियम में भी तेजी दिखी है। कई दिनों से गिरावट में चल रही डॉजकॉइन में भी शुक्रवार को बढ़त बनाई। काइन मार्केटकैप के आंकड़ों के हिसाब से शुक्रवार सुबह के कारोबार में बिटकॉइन 0.24 फीसदी तेजी के साथ 39,462.33 पर ट्रेड कर रहा था। इथेरियम का भाव भी पिछले 24 घंटों में 0.98 फीसदी बढ़कर 2,917.02 हो गया है। इसी तरह तीसरी प्रमुख क्रिप्टोकॉइन डॉजकॉइन में भी शुक्रवार को तेजी दर्ज की गई। डॉजकॉइन सुबह2.52 फीसदी की तेजी के साथ 0.1429 पर कारोबार कर रहा था। बिटकॉइन की बाजार हिस्सेदारी 41.63 फीसदी रही है। पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा तेजी वॉन्डरहीरो कॉइन में आई है और इस कॉइन ने 4770 फीसदी तक छलांग लगाई है। इसी तरह टॉम कॉइन 3,429.50 फीसदी चढ़ा है। यूकैश में भी 2659 फीसदी का उछाल आया है।

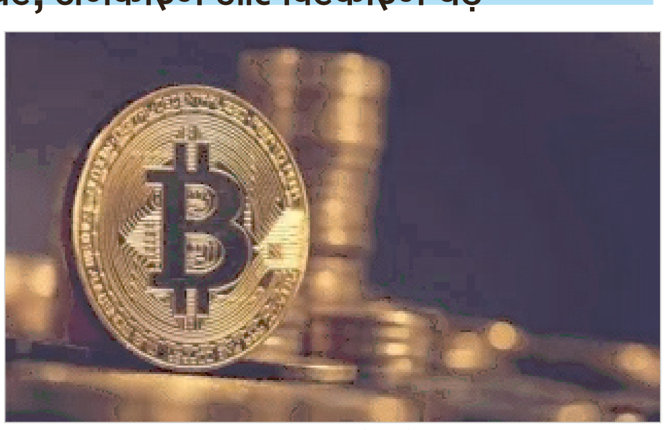

सरकार जून में कर सकती है 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी

नई दिल्ली ।

देश में 5जी सेवा जल्द शुरू होने की संभावना है। सरकार जून महीने में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी की तैयारी कर रही है। टेलीकॉम मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार जून की शुरुआत में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी कर सकती है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) अपेक्षित समयसीमा के अनुसार काम कर रहा है। साथ ही स्पेक्ट्रम की कीमत को लेकर टेलीकॉम कंपनियों की चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश हो रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा` कि हम नीलामी करने के लिए अपनी समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। जून की शुरुआत में इसके शुरू होने की उम्मीद है। डिजिटल संचार आयोग ट्राई की सिफारिशों पर विचार करेगा और स्पष्टीकरण के लिए उससे संपर्क करेगा। टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने देश में 5जी सेवाएं शुरू करने लिए स्पेक्ट्रम की बड़ी नीलामी की योजना तैयार की है। हाल ही में ट्राई ने 5जी सेवाओं को लेकर 30 साल से अधिक समय के लिए विभिन्न बैंड में 7।5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य के स्पेक्ट्रम नीलामी की सिफारिश की थी। ट्राई की इस सिफारिश में स्पेक्ट्रम की कीमत में पहले की तुलना में 39 फीसदी की कटौती की गई है। स्पेक्ट्रम की कीमतों में कटौती के बावजूद टेलीकॉम कंपनियां निराश हैं। टेलीकॉम कंपनियों के संगठन भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ (सीओएआई) ने कहा है कि ट्राई की ओर से प्रस्तावित कीमत बहुत ज्यादा है।

सोयाबीन की खली के आयात करने का सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने किया विरोध

मुंबई । देश में खाद्य तेलों का आयात सालों से हो ही रहा है। अब पॉल्ट्री उद्योग सोयाबीन की खली का भी आयात करना चाहते हैं। इसके लिए इन्होंने केंद्र सरकार से अनुमति मांगी है। लेकिन सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इसका विरोध किया है। इनका कहना है कि देश में सोयाबीन की खली का पर्याप्त उत्पादन होता है। यदि विदशों से इसका आयात खोला गया, तब इससे यहां के सोयाबीन किसानों की आमदनी घट जाएगी। सोपा के कार्यकारी निदेशक डी एन पाठक का कहना है, कि पॉल्ट्री उद्योग ने एक बार फिर से सोयामील या सोयाबीन की खली के आयात के लिए सरकार से अनुमति मांगी है। ये अंतरराष्ट्रीय बाजार से सस्ती कीमत पर सोया खली का आयात करना चाहते हैं। यदि ऐसा हुआ फिर यहां के सोयाबीन किसानों को उपज का कम दाम मिलेगा। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दावीश जैन ने केंद्रीय पशुपालन सचिव को पत्र भेज कर कहा है कि जीएम सोयाबीन के आयात की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उनका कहना है कि अप्राकृतिक ढंग से तैयार की गई कोई भी चीज हानिकारक होती है। जैनेटिकली मोडिफाइड फसल अप्राकृतिक रूप से तैयार किया जाता है। इसकारण इसका भारतीय पॉल्ट्री उद्योग पर अवश्य दुष्प्रभाव होगा। पाठक का कहना है कि भारतीय पॉल्ट्री उद्योग की हर साल की मांग 58 लाख टन सोया खली की है। इससे बहुत ज्यादा उत्पादन भारत में होता है। इसकारण विदेशी सोया खली के आयात से घरेलू उद्योग बर्बाद हो जाएगा। यहां के किसानों को भी कम दाम मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारत में हर साल करीब 130 लाख टन सोयाबीन का उत्पादन होता है। सोयाबीन को पेड़ने पर 81 फीसदी खली निकलता है। इस खली में से करीब 10 लाख टन का उपयोग सोया चंक, नगेट, आटा आदि बनाने में होता है। तब भी पॉल्ट्री फूड के लिए 60 लाख टन से भी ज्यादा खली बचता है। पाठक के मुताबिक घरेलू सोयाखली का भाव करीब 850 डॉलर प्रति टन है जबकि अर्जेंटीना में इसका भाव 530 डॉलर है। यदि इस पर 100 डॉलर का ढुलाई खर्च भी लगा दिया जाए तो भी इसकी कीमत 630 डॉलर प्रति टन ही बैठता है। इसलिए भारतीय पॉल्ट्री उद्योग आयातित सोया खली चाहते हैं। लेकिन ध्यान देने योग्य बात यह है कि आयातित सोया खली जीएम फसल से तैयार है जबकि भारत में जीएसम सोयाबीन की खेती नहीं होती।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीत के विजय रथ पर सवार गुजरात के खिलाफ आरसीबी की उम्मीदें कोहली के फॉर्म पर

मुंबई (एजेंसी)।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत गुजरात टाइटंस के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को उतरेगी तो सभी की नजरें एक बार फिर विराट कोहली के बल्ले पर लगी होंगी जो अर्से से खामोश है। कोहली इस सत्र में नौ मैचों में 128 रन ही बना सके और उनका सर्वोच्च स्कोर 48 रन रहा। पिछले मैच में उन्हें पारी की शुरूआत करने भेजा गया लेकिन वह नौ रन ही बना सके। इससे पहले दो मैचों में वह खाता भी नहीं खोल पाये थे। कोहली का फॉर्म आरसीबी के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं आ पाने की बड़ी वजह है। आरसीबी इस समय नौ में से पांच मैच जीतकर पांचवें स्थान पर है। दूसरी ओर टाइटंस ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। जीत के अश्वमेधी अभियान पर सवार टीम के पास मैच विजेताओं की पूरी फौज है और संकट के समय हर बार एक नया खिलाड़ी संकटमोचक बनकर उभरता है।

आठ में से सात मैच जीतने वाली टाइटंस ने लगातार पांच मैच जीते हैं और उसका पलड़ा भारी लग रहा है। यह मैच भी जीतने पर प्लेआफ में उसका स्थान लगभग पक्का हो जायेगा। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में जीत के लिये 196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी स्थिति खराब थी लेकिन अपनी लेग स्पिन के लिये मशहूर राशिद खान ने बल्ले के जौहर दिखाकर टीम को चमत्कारिक जीत दिलाई। आखिरी ओवर में राहुल तेवतिया और राशिद ने चार छक्के लगाकर असंभव को संभव कर दिया। टाइटंस ने दिखा दिया है कि शीर्षक्रम के नाकाम रहने पर उसका निचला क्रम भी टीम की नैया पार लगा सकता है। कप्तान हार्दिक पंड्या को खिलाड़ियों से इसी प्रदर्शन की आगे भी उम्मीद होगी। पंड्या अभी तक सात मैचों में 305 रन बना चुके हैं और काफी 'कूल' कप्तान साबित हो रहे हैं जिससे खिलाड़ी तनाव के बिना बढिया खेल रहे हैं। उनके अलावा शुभमन गिल, डेविड मिलर और रिधिमान साहा ने भी रन बनाये हैं। आरसीबी की बल्लेबाजी में भी गहराई की कमी नहीं है लेकिन एक टीम के रूप में वह चल नहीं पाये हैं।

कोहली खराब फॉर्म में है जबकि आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल भी अभी तक छह मैचों में 124 रन ही बना सके हैं।कप्तान फाफ डु प्लेसी, दिनेश कार्तिक और शाहबाज अहमद ही रन बना पाये हैं लेकिन उन पर दबाव बढता जा रहा है। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी ने अभी तक टाइटंस के लिये 13 विकेट लिये हैं।उनके पास तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन और स्पिनर राशिद भी हैं। आरसीबी के पास डैथ ओवरों के विशेषज्ञ हर्षल पटेल हैं जो 12 विकेट ले चुके हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा डिसिल्वा ने 13 विकेट लिये हैं। मोहम्मद सिराज और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाज उनके पास है।

पर्पल कैप की दौड़ में चहल और कुलदीप में मुकाबला

ऑरेंज कैप की दौर में वार्नर और अय्यर शीर्ष दस में शामिल

मुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव और राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इस बार शानदार प्रदर्शन किया है। जहां चहल सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में शीर्ष पर हैं और पर्पल कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। वहीं कुलदीप भी इस दौड़ में बने हुए हैं और उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। दूसरी ओर सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में कैपिटल्स के डेविड वॉर्नर 261 रन और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर 290 रन बनाकर शीर्ष-10 में शामिल हैं।

वहीं पर्पल कैप की दौर में चहल के सबसे ज्यादा 8 विकेट हैं और वह शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि कुलदीप भी इतने ही विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं।

खराब दौर से जूझ रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत की लय कायम रखने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

नवी मुंबई। (एजेंसी)।

लगातार तीन मैच जीत चुकी राजस्थान रॉयल्स प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को जीत की लय कायम रखने के ध्येय से उतरेगी। इस मैच के दौरान रॉयल्स अपने आईपीएल विजेता कप्तान रहे शेन वॉर्न को श्रृद्धांजलि भी देंगे। वॉर्न का पिछले महीने थाईलैंड में निधन हो गया था। उनकी कप्तानी में रॉयल्स ने 2008 में आईपीएल का पहला सत्र जीता था और टीम एक जीत के साथ उन्हें याद करना चाहेगी। रॉयल्स अंकतालिका में गुजरात टाइटंस के बाद दूसरे स्थान पर है और अब तक छह मैच जीते हैं।

मुंबई आठों मैच हारकर प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ पिछले मैच में 144 रन ही बना सके रॉयल्स को अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। उसके सलामी बल्लेबाज जोस बटलर और देवदत्त पडिक्कल अच्छे फॉर्म में हैं। बटलर अब तक तीन शतक बना चुके हैं और उनके बल्ले पर अंकुश लगाना मुंबई के गेंदबाजों के लिये चुनौतीपूर्ण होगा। वह और पडिक्कल एक बार फिर टीम को अच्छी शुरूआत देना चाहेंगे। कप्तान संजू सैमसन और शिमरोन हेटमायेर भी अपने दम पर मैच जिता सकते हैं।

पिछले मैच में नाबाद 56 रन बनाने वाले रियान पराग और डेरिल मिशेल के रहते रॉयल्स का मध्यक्रम भी मजबूत है। सैमसन दस मैचों में 232 रन बना चुके हैं। रॉयल्स के तेज गेंदबाज और स्पिनर जबर्दस्त फॉर्म में हैं। रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल अच्छा खेल रहे हैं और चहल सर्वाधिक 18 विकेट ले चुके हैं।तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को प्रसिद्ध कृष्णा के रूप में अच्छा सहयोगी मिला है। दूसरी ओर मुंबई को सामूहिक प्रयास करने होंगे। खराब दौर से गुजर रहे रोहित शर्मा और ईशान किशन को रन बनाने होंगे। पंद्रह करोड़ 25 लाख रूपये में खरीदे गए ईशान आठ मैचों में 199 रन ही बना सके हैं। सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस ने यदा कदा अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें एक ईकाई के रूप में खेलना होगा। हरफनमौला कीरोन पोलार्ड के खराब फॉर्म का खामियाजा भी मुंबई को भुगतना पड़ा है। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई नहीं चल सका है। जयदेव उनादकट, डेनियल सैम्स और रिले मेरेडिथ नाकाम रहे हैं।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप

पीवी सिंधु ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, चीन के खिलाड़ी को दी मात

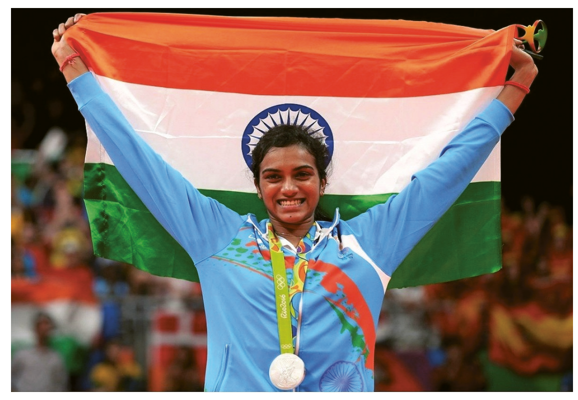

मनीला (फिलीपींस) (एजेंसी)।

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू ने शुक्रवार को यहां चीन की हि बिंग जियाओ पर रोमांचक जीत दर्ज कर बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप (बीएसी) के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत से सिंधू ने इस महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में खुद के लिये एक पदक पक्का कर दिया है। यह टूर्नामेंट कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के अंतराल बाद खेला जा रहा है। चौथी वरीय सिंधू ने 2014 गिमचियोन चरण में कांस्य पदक जीता था, उन्होंने एक घंटे 16 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त चीन की खिलाड़ी को 21-9 13-21 21-19 से पराजित किया।

सैयद मोदी इंटरनेशनल और स्विस ओपन में दो सुपर 300 खिताब जीतने वाली हैदराबाद की 26 साल की खिलाड़ी का सामना अब सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से होगा। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू का मैच पहले बिंग जियाओ के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 7-9 था, जिसे वह पहले पिछली दो भिड़ंत में हरा चुकी है। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के दौरान सिंधू ने बिंग जियाओ को हराया था और इस शीर्ष भारतीय खिलाड़ी ने फिर अंतिम चरण में दबाव से निपटते हुए रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने शुरू से ही अपने इरादे जाहिर कर दिये थे, उन्होंने पहले गेम में बिना समय गंवाये 11-2 की बढ़त बना ली और फिर दबदबा कायम रखते हुए मैच में 1-0 से आगे हो गयीं। बिंग जियाओ ने हालांकि दूसरे गेम में शानदार वापसी की और 6-4 की बढ़त को 11-10 तक पहुंचाने में सफल रहीं।

ब्रेक के बाद चीन की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर 19-12 की बढ़त बनाकर मैच में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी 2-2 से बराबर थीं लेकिन सिंधू ने अपने क्रास-कोर्ट स्मैश से अंक जुटाये और ब्रेक तक 11-5 से आगे हो गयीं। बिंग जियाओ ने हालांकि ब्रेक के बाद वापसी की और सिंधू की बढ़त को कम कर दिया। सिंधू एक समय 15-9 से आगे थीं लेकिन लय गंवाने के कारण 16-15 पर पहुंच गयीं। इसके बाद सिंधू 18-16 से आगे थीं और उन्होंने चार मैच प्वाइंट हासिल कर मैच जीत लिया।

नरेन आईपीएल में 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के स्पिनर सुनील नरेन आईपीएल में 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने हैं। नरेन ने दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में एक विकेट लेने साथ ही आईपीएल में अपने 150 विकेट पूरे किये। इसके साथ ही आईपीएल में 150 विकेट हासिल करने वाले पहले विदेशी स्पिनर गेंदबाज बन गए हैं। नरेन ने दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज ललित यादव को आउट करने के साथ ही अपना 150वां विकेट लिया। उन्होंने अपने तीसरे ओवर में ललित को अपना शिकार बनाया । आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में ड्वेन ब्रावो पहले नंबर पर हैं। ब्रावो ने 158 मैचों में 181 विकेट लिए हैं जबकि लसिथ मलिंगा 122 मैचों में 170 विकेट के साथ दूसरे और अमित मिश्रा 154 मैचों में 166 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। वहीं युजवेंद्र चहल ने 122 मैचों में 157 विकेट लिए हैं।

इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने केकेआर को हराकर आईपीएल 2022 में अपनी चौथी जीत दर्ज की है। दिल्ली ने इस सत्र में खेले अपने 8 में से चार मैच जीते हैं जबकि इतने ही मैच वह हारी है। वहीं केकेआर की टीम की नौ मैचों में यह छठी हार है। केकेआर तीन जीत के साथ अंक तालिका में आठवें नंबर पर है। इस हार से केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद कम हुई है।

केएल राहुल की बल्लेबाजी में कुछ बनावटी नहीं, गावस्कर बोले- लखनऊ के कप्तान खेलते हैं नैसर्गिक शॉट

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई। लोकेश राहुल के नैसर्गिक शॉट खेल कर तेजी से रन बनाने की क्षमता से प्रभावित पूर्व भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स के इस कप्तान ने यह साबित कर दिया कि तेजी से रन बनाने के लिए आपको नये तरह के शॉट इजात करने की जरूरत नहीं है। सलामी बल्लेबाज राहुल शानदार लय में है और आईपीएल के 15वें सत्र अब तक दो शतक लगा चुके हैं। ये दोनों शतक मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आये हैं। वह 368 रन के साथ राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर के बाद लीग के इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर है।

'स्टार स्पोर्ट्स' के कार्यक्रम 'क्रिकेट लाइव' में गावस्कर ने कहा, ''वह शानदार प्रदर्शन कर रहा है। राहुल की बल्लेबाजी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि उनकी शैली में कुछ भी बनावटी नहीं है। वह जो भी शॉट खेलते हैं वह क्रिकेट का नैसर्गिक शॉट है।'' भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''राहुल ने अपने इस कौशल से यह साबित किया है कि तेजी से रन बनाने के लिए आपको नये शॉट इजात करने की जरूरत नहीं है। अगर आपके पास शॉट हैं, तो उसका सही चयन करें और उनके सभी शॉट के चयन बेहतरीन रहे हैं।''

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भी कर्नाटक के इस बल्लेबाज की तारीफ की। पीटरसन ने कहा, ''राहुल के तरकश में हर तरह के शॉट हैं। वह गेंद को मैदान में किसी भी दिशा में मार सकता है। वह ऐसा बल्लेबाज है जिसे आप टेलीविजन पर कभी भी बल्लेबाजी करते हुए देखना पसंद करेंगे।'' भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा कि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेलता है। इरफान ने कहा कि लोकेश राहुल ऐसे बल्लेबाज हैं जो स्थिति के अनुसार रन बनाने की गति को बढ़ा या घटा सकते हैं। उनके पास अपनी पारी को अपने अनुसार आगे बढ़ाने की क्षमता और कौशल है। राहुल अच्छी तरह से जानते हैं कि उन्हें कब रन गति को बढ़ाने की जरूरत है।

सबको चौंकाते हुए पोलैंड के यान डूड़ा बने ओस्लो ई-स्पोर्ट्स कप शतरंज विजेता

ओस्लो , नॉर्वे । पहला शतरंज ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट ओस्लो स्पोर्ट्स कप का अंतिम राउंड उलटफेर और रोमांच से भरा रहा जब सबकी निगाहे विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन और भारत के प्रग्गानंधा पर थी सबको चौंकाते हुए खिताब पोलैंड के यान शिष्टोफ डूड़ा नें अपने नाम कर लिया। अंतिम राउंड मे सबसे आगे चल रहे दोनों खिलाड़ी कार्लसन और प्रग्गानंधा अपने अपने मुक़ाबले हार गए। कार्लसन को कार्लसन को अजरबैजान के शकरियार ममेद्यारोव नें पहला मैच ड्रॉ खेलने के बाद लगातार दो रैपिड मुकाबलों मे मात देकर 2.5-0.5 से पराजित कर दिया जबकि प्रग्गानंधा को नीदरलैंड के अनीश गिरि नें पहले और तीसरे रैपिड मे मात देकर इसी अंतर से पराजित कर दिया और इस तरह दोनों 12 अंको पर ही रुक गए । वहीं पिछले मुक़ाबले मे प्रग्गानंधा को हराने वाले डुड़ा नें कनाडा के एरिक हेनसेन को 2.5-0.5 से पराजित करते हुए कुल 14 अंक बना लिए और वह प्रतियोगिता जीतने में सफल रहे वहीं टाईब्रेक में नीदरलैंड के वान फॉरेस्ट को वियतनाम के ले कुयांग लिम नें 3.5-2.5 से पराजित करते हुए कुल 13 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे ।

उमरान को इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल करें : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज को आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाये। गावस्कर ने कहा कि भले ही इस दौरे में उमरान को खेलने का अवसर न मिले पर अनुभवी खिलाड़ियों के साथ यात्रा करने और ड्रेसिंग रूम साझा करने से उसे लाभ मिलेगा।

उमरान ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए 25 रन देकर पांच विकेट लिए थे। उनका यह प्रदर्शन हालांकि टीम को जीत नहीं दिला पाया पर सभी ने इस गेंदबाज की तारीफ की। वहीं गावस्कर ने कहा, 'उसके लिए अगली चुनौती, मुझे लगता है कि भारतीय टीम है।' उन्होंने कहा, 'उसे शायद अंतिम एकादश में खेलने का मौका नहीं मिले क्योंकि भारत के पास अभी मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं पर टीम के साथ सिर्फ यात्रा करने से ही उसे काफी अनुभव मिलेगा।' इस युवा तेज गेंदबाज ने पूरे सत्र के दौरान नियमित रूप से 150 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी की है और आठ आईपीएल मैच में अब तक 15.93 के औसत से 15 विकेट लिए हैं। भारत का इंग्लैंड दौरा जून में शुरू होगा। दोनों टीम सबसे पहले पांच मैच की श्रृंखला का अंतिम टेस्ट खेलेंगी जिसे पिछले साल कोविड-19 के कारण रद्द कर दिया गया था। इसके बाद तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और इतने ही मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला होगी।

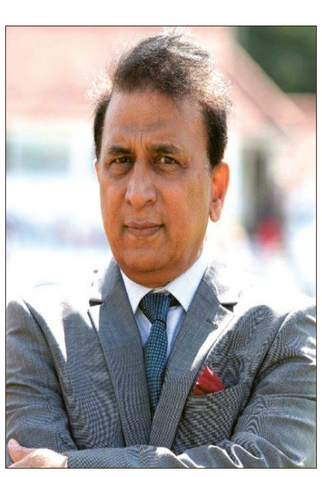

मैनचेस्टर यूनाइटेड और चेल्सी ने ड्रॉ खेला

मैनचेस्टर। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के तीन मैचों में पांचवें गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग फुटबॉल में चेल्सी से 1.1 से ड्रॉ खेला। चेल्सी के लिए मार्कोस अलोंसो ने 60वें मिनट में गोल किया। इसके दो मिनट बाद रोनाल्डो ने बराबरी का गोल दागा। लीग में अब तीन ही मैच बचे हैं और यूनाइटेड छठे स्थान पर है। चौथे स्थान पर काबिज आर्सनल उससे पांच अंक आगे है। टोटेनहम पांचवें स्थान पर है। चेल्सी तीसरे स्थान पर है और उसके आर्सनल से छह अंक अधिक हैं।

खेलो इंडिया : ओलंपियन नटराज ने जीते तीन स्वर्ण

बेंगलुरू। ओलंपियन तैराक श्रीहरि नटराज ने खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल (केआईयूजी) में गुरुवार को यहां तीन स्वर्ण पदक जीते जिससे मेजबान जैन विश्वविद्यालय ने सोने के 14 तमगे जीतकर तरणताल में अपना दबदबा बनाया। जैन विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले नटराज ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल, 50 मीटर बैकस्ट्रोक और चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने इन सभी स्पर्धाओं में नए रिकार्ड भी बनाए। नटराज ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 50.98 सेकेंड का समय निकालकर रूद्रांश मिश्रा के 2020 में बनाए गए 53.01 के रिकार्ड को तोड़ा। हीर शाह (मुंबई विश्वविद्यालय) ने 52.78 सेकेंड और आदित्य दिनेश (अन्ना विश्वविद्यालय) ने 52.79 सेकेंड का समय लेकर क्रमश- रजत और कांस्य पदक जीते। नटराज ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में 26.10 सेकेंड का समय निकाला। शिव श्रीधर (जैन विश्वविद्यालय) ने 27.10 सेकेंड और सिद्धांत सेजवाल (पंजाब विश्वविद्यालय) ने 27.69 सेकेंड के साथ क्रमश- रजत और कांस्य पदक अपने नाम किये। इसके बाद नटराज ने संजय जयकृष्णन, शिव श्रीधर और राज रेलेकर के साथ मिलकर चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले को आठ मिनट 06.87 सेकेंड के नये रिकॉर्ड समय के साथ पूरा किया।

कोहली को लेकर आया सौरव गांगुली का बड़ा बयान, बोले- उनके दिमाग में क्या चल रहा, पता नहीं

मुबई (एजेंसी)।

देश में आईपीएल का रोमांच देखने को मिल रहा है। आईपीएल 2022 में सभी टीमें अच्छा खेलने की कोशिश कर रही हैं। इन सब के बीच 2 खिलाड़ियों की चर्चा भी खूब हो रही है। विराट कोहली और रोहित शर्मा। भारतीय क्रिकेट टीम के दोनों नियमित सदस्य हैं और दुनिया के दिग्गज क्रिकेटरों में शुमार है। हालांकि इस आईपीएल में दोनों का बल्ला शांत नजर आ रहा है। इसी को लेकर सौरव गांगुली का बड़ा बयान भी सामने आया है। न्यूज़ 18 चैनल से बातचीत करते हुए सौरव गांगुली ने कहा पता नहीं विराट कोहली के दिमाग में क्या चल रहा है? लेकिन मुझे इस बात का यकीन है कि वह अपनी फॉर्म में फिर से लौटेंगे और अच्छे रन बनाएंगे। वह एक महान खिलाड़ी हैं।

रोहित शर्मा को लेकर भी सौरव गांगुली ने कहा कि वे एक महान खिलाड़ी है और मुझे पूरा यकीन है कि वह अपनी बेहतरीन फॉर्म में वापसी करेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि दोनों जल्द ही बड़े इसको बनाएंगे। आपको बता दें कि कई दिग्गजो खिलाड़ियों ने दोनों को आईपीएल से विराम रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर विराट कोहली की बात करें तो उन्होंने आरसीबी की ओर से 9 मुकाबले खेले हैं और सिर्फ 128 रन बनाए। उनका एवरेज औसत ही 16 का है जोकि क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर रहा है। विराट कोहली का बल्ला आईपीएल में लगातार चलता रहा है। दूसरी ओर अगर रोहित शर्मा की बात करें तो अब तक उन्होंने 8 मुकाबले खेले हैं जिनमें 153 रन ही बनाए हैं। रोहित का औसत भी 19.13 का है। भारत के लिए चिंता की बात तो यह भी है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक 8 मुकाबले खेले हैं और आंठों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा सौरव गांगुली गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाइंट्स से भी काफी खुश दिखाई दे रहे ।हैं यह दो ऐसी टीमें हैं जो कि आईपीएल में नई आई हैं और इस बार बेहतर मुकाबले खेल रही है। सौरव गांगुली ने कहा कि बहुत ही इंटरेस्टिंग मैच देखने को मिल रहा है। मैं खुद आईपीएल देख रहा हूं। दो नई टीमें गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाइंट्स शानदार खेल खेल रही है।

गांगुली ने ममता से स्टेडियम के लिये वैकल्पिक जमीन मांगी

कोलकाता ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात कर उनसे स्टेडियम के लिए वैकल्पिक जमीन मांगी है। वहीं इसके पहले ममता ने कहा था कि प्रस्तावित खेल सिटी परियोजना के लिए बंगाल क्रिकेट बोर्ड (सीएबी) को जो जमीन दी गयी थी उसमें एक तालाब है। इसलिए उस जमीन पर स्टेडियम नहीं बन सकता। इसी कारण गांगुली ने सीएबी को किसी अन्य जगह जमीन देने का अनुरोध किया है जिस पर सरकार विचार करेगी।।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गांगुली ने उनसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को लेकर किसी प्रकार की भी बात नहीं की।

काशिका कपूर ने अपने नए गाने नींद्रा को लेकर किया खुलासा

अभिनेत्री काशिका कपूर अपने नए गाने नींद्रा को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसे दर्शकों ने खूब सराहाया जा रहा है। अपने नए गाने पर अपनी भावनाओं और उत्साह को शेयर करते हुए काशिका ने कहा, मैं अभिभूत महसूस करती हूं। जब दुनिया आपकी कड़ी मेहनत की सराहना करती है, तो यह अब तक का सबसे अच्छा एहसास है। मैं अपने काम को बहुत गंभीरता से लेती हूं, ऐसा लगता है कि मैं केवल काम करने के लिए जीती हूं। मुझे हसलर बनना पसंद है! जब मेरे दर्शक मेरे काम को प्यार करते हैं, तो यह मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। निर्देशक असलम खान काशिका को नए गाने नींद्रा में निर्देशित करने की बात की। उन्होंने कहा, काशिका नई आने वाली स्टार है और वह बहुत मेहनती है। हम देख सकते हैं कि कैसे वह बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर दे रही है और लोगों को जलन हो रही है, लेकिन अफसोस, काशिका छा रही है। लुक्स की बात करें तो काशिका बेहद खूबसूरत हैं। उसका एक व्यक्तित्व है, जो निश्चित रूप से एक स्टार और एक अद्भुत व्यक्तित्व की बात करता है। मुझे लगता है कि उसमें हर सीन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की क्षमता है और वह मेहनती है। जैसा कि उनके काम को अंतत- निर्माताओं और दर्शकों द्वारा स्वीकार किया जा रहा है, अभिनेत्री ने कहा, यह बहुत आश्चर्यजनक लगता है, मैं बहुत आभारी महसूस करती हूं। मैं खुशी और कृतज्ञता से भर गई हूं। मुझे बहुत काम मिल रहे हैं, लेकिन मैं सही लोगों को चुनने में कुछ समय ले रही हूं। मैं सही चुनाव करना चाहती हूं। मैं अभी भी बहुत छोटी हूं। यह गाना जी म्यूजिक कंपनी पर रिलीज किया गया है।

आमिर खान ने उठाया अपनी कहानी से पर्दा

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में आमिर खान के एक बड़ी कहानी के बारे में बात करते हुए वीडियो ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। ऐसे में दर्शकों के उत्साह को देखते हुए निर्माताओं ने आखिर क्या है यह कहानी इस राज से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, यह अभिनेता की बहुप्रतीक्षित फिल्म लाल सिंह चड्ढा का पहला गाना कहानी है, जिसे रिलीज कर दिया गया है। आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है और आखिरकार 11 अगस्त 2022 को यह देश भर के सभी सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। भारतीय दर्शकों को एक के बाद एक शानदार फिल्में देने के बाद, आमिर खान प्रोडक्शंस लाल सिंह चड्ढा के साथ आमिर खान, करीना कपूर खान और एक प्रतिभाशाली कलाकारों की टुकड़ी के साथ एक दिल को छू लेने वाली कहानी लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित है। लाल सिंह चड्ढा एल्बम को म्यूजिक मैस्ट्रो प्रीतम द्वारा कंपोज किया गया है, जिसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य के हैं और इसके पहले गाने कहानी को मोहन कन्नन ने अपनी आवाज दी है, जो फिल्म को खूबसूरती से समेट रहा है और संक्षेप में दर्शकों को फिल्म से परिचित करा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस गेम चेंजिंग मूव में, आमिर खान ने गाने का वीडियो जारी नहीं करने का विकल्प चुना है, बल्कि उन्होंने सिर्फ ऑडियो को जारी किया है, ताकि दर्शकों का ध्यान गाने के असल नायक - खुद संगीत और टीम की ओर जाए जो सभी हिस्सों को एक साथ लाए हैं। इस तरह से अभिनेता-निर्माता ने न केवल बड़े पैमाने पर म्यूजिक इंडस्ट्री और उनके प्रयासों को उजागर करने की आशा में संगीतकारों और फिल्म के संगीत को सेंटर स्टेज पर रखने का फैसला किया है, बल्कि दर्शकों को विजुअल्स और उनके असल सार में बिना मिलावट के इन ट्रैक का आनंद लेने की अनुमति दी है। इस पर बात करते हुए आमिर खान कहते हैं, मैं असल में मानता हूं कि लाल सिंह चड्ढा के गाने फिल्म की आत्मा हैं, और इस एल्बम में मेरे करियर के कुछ बेहतरीन गाने हैं। प्रीतम, अमिताभ, गायकों और तकनीशियनों को सुर्खियों में रखना एक बेहद जानबूझकर लिया गया फैसला था, क्योंकि न केवल वे स्पॉटलाइट में रहने के लायक हैं बल्कि संगीत भी इसके क्रेडिट का पूरे हकदार हैं। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि दर्शकों ने उनके संगीत पर क्या प्रतिक्रिया दी है, जिसमें टीम ने अपना दिल और आत्मा डाल दी है। वहीं, संगीतकार प्रीतम का कहना हैं, आमिर खान पर्दे पर और पर्दे के बाहर भी हीरो हैं। वह समझते हैं कि संगीत को समय-समय पर सुर्खियों में रहने की जरूरत है और उन्होंने इसे अपनी फिल्मों में सेंटर स्टेज पर ले जाने की अनुमति दी है। उनके साथ उनकी फिल्मों में काम करने का यह सबसे शानदार और संतोषजनक अनुभव है। इस गाने के बारे में बात करते हुए फिल्म के निर्देशक अद्वैत चंदन कहते हैं, कहानी मेरा अब तक का सबसे पसंदीदा गीत है। जब भी मैं शूटिंग के दौरान घबरा जाता था, तो मैं इस गीत को सुनता था। यह हमारी फिल्म का सही परिचय है। दादा की धुन, अमिताभ के गीत और मोहन की आवाज हमें सीधे लाल सिंह चड्ढा की दुनिया में ले जाती है।

बेबी डॉल बन हरनाज संधू ने छीना फैंस का चैन

21 साल बाद मिस यूनिवर्स का ताज भारत वापिस लाने वाली पंजाब की हरनाज संधू इन दिनों सोशल मीडिया पर राज कर रही हैं। मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने के बाद सोशल मीडिया पर हरनाज की फैन फॉलोइंग में काफी वृद्धि हुई है। अब उनकी कोई भी पोस्ट साइट पर आते ही आग की तरह वायरल हो जाती है। हाल ही में मिस हरनाज संधू ने अपने पिंक लुक की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन पर फैंस खूब प्यार उड़ेल रहे हैं। 21 साल बाद मिस यूनिवर्स का ताज भारत वापिस लाने वाली पंजाब की हरनाज संधू इन दिनों सोशल मीडिया पर राज कर रही हैं। मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने के बाद सोशल मीडिया पर हरनाज की फैन फॉलोइंग में काफी वृद्धि हुई है। अब उनकी कोई भी पोस्ट साइट पर आते ही आग की तरह वायरल हो जाती है। हाल ही में मिस हरनाज संधू ने अपने पिंक लुक की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन पर फैंस खूब प्यार उड़ेल रहे हैं। बेड पर बैठ कातिलाना अंदाज में पोज देती एक्ट्रेस सबको अपनी तारीफ के लिए मजबूर कर रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को लाइक कर उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं।

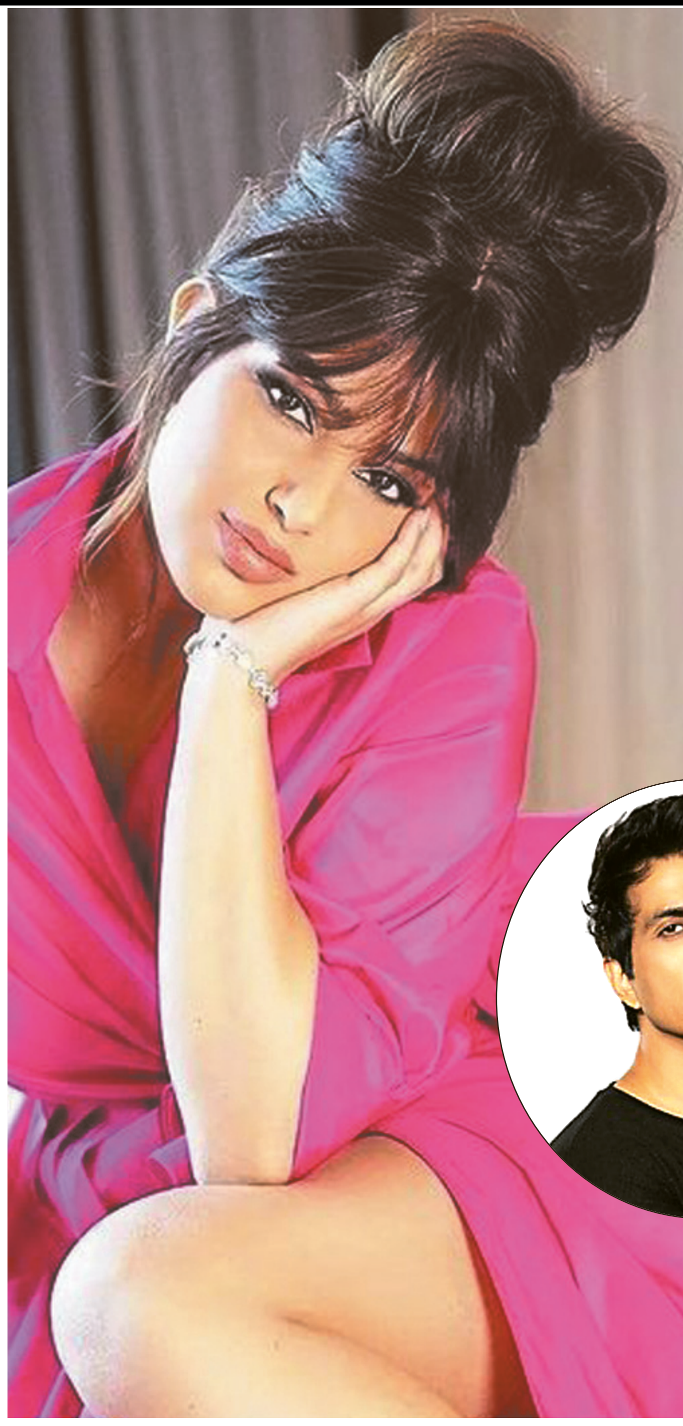

खुशबू सुंदर ने अपनी बेटियों के लिए शेयर किया इंस्टाग्राम पर प्यारा सा पोस्ट

चेन्नई। एक्ट्रेस, प्रोड्यूसर और महिला राजनेता खुशबू सुंदर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी दोनों बेटियों के लिए दिल को छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया। एक पोस्ट में, खुशबू ने लिखा, मेरी सबसे सुंदर बोम्मई कुट्टी, क्या आप जानते हैं कि आप अंदर से कितनी खूबसूरत हैं। आप मेरी छोटी सी बच्ची हैं। मैं आपको किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में नहीं देख सकती, जो कि बड़ी हो गई है। मेरे लिए, आप हमेशा मेरी कुट्टी वाल रहेंगे। आप और आपके शरारती तरीके, जीवन से टिमटिमाती आंखें, आपकी मुस्कान मुझे ताकत देती है, आपके हग करना मुझे सबसे बड़ी खुशी देता हैं। जिस तरह से आप मुझे मम्मा या अम्मा कहते हैं, यह मेरे लिए कभी खत्म न होने वाली खुशी है। आपके नाम का क्या मतलब है, आप जहां जाते हैं वहां खुशी लाते हैं। आप मेरे जीवन में खुशी का जरिया है। मैं आपसे प्यार करती हूं। आपका दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, उपलब्धियां मुझे गर्व महसूस कराता है। बस अपने आप पर विश्वास रखें। मैं तुमसे प्यार करती हूं, आज और हमेशा करती रहूंगी, अपनी आखिरी सांस तक। लव यू माय बोम्मई। तुम्हारी अम्मा या मम्मा जैसा कि तुम मुझे बुलाती हो। एक अन्य पोस्ट में, एक्ट्रेस ने लिखा, माई बीबू, कभी नहीं पता था कि तुम कब बड़ी होकर इतनी अच्छी हो गई हो। मेरे लिए, तुम हमेशा मेरी बच्ची रहोगी। जब आप मुझसे बात करते हैं, तो मैं आपकी परिपक्वता और समझ को देख हैरान हो जाती हूं। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी भूमिकाएं भी बदल जाती है। मैं इसका अनुभव कर रही हूं। मैं किसी भी चीज का श्रेय नहीं लूंगी, जो आप आज हैं, अपनी मेहनत के दम पर है। मैं जब आपको देखताी हूं तो महसूस करती हूं कि मैं कुछ भी नहीं हूं। हर दिन, मैं आपसे नई चीजें सीखती हूं। मैं केवल इतना कहना चाहती हूं कि मैं वास्तव में धन्य हूं। ऐसे बच्चों की मां बनना, ये मेरा सौभाग्य है। बस याद रखें, मैं तुमसे प्यार करती हूं। तुम्हारी अम्मा।

अजय देवगन और किच्चा सुदीप के बीच हिंदी भाषा को लेकर हुए विवाद पर आया सोनू सूद का रिएक्शन

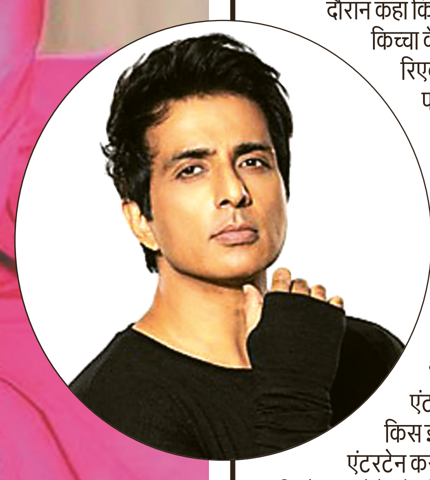

अजय देवगन और किच्चा सुदीप के बीच हाल ही में हुई हिंदी को लेकर वॉर के बीच अब सोनू सूद का भी इस मामले पर रिएक्शन आ गया है। दरअसल, हाल ही में किच्चा सुदीप ने एक इवेंट के दौरान कहा कि हिंदी अब हमारी राष्ट्रभाषा नहीं है। किच्चा के इस स्टेटमेंट पर अजय देवगन ने रिएक्ट करते हुए ट्वीट किया। उन्होंने किच्चा पर गुस्सा जाहिर करते हुए कह दिया कि अगर आपको लगता है कि हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं है तो आप अपनी फिल्मों को हिंदी में डब क्यों करते हो। इसके बाद दोनों के बीच ट्वीट वॉर चल रही है। अब इस पर सोनू सूद का रिएक्शन आया है। बात करते हुए सोनू ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हिंदी को सिर्फ राष्ट्रभाषा कहा जा सकता है। भारत की एक ही भाषा है और वो है एंटरटेनमेंट। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किस इंडस्ट्री से हो। अगर आप लोगों को एंटरटेन करोगे, वो आपको प्यार करेंगे, आपकी रिस्पेक्ट करेंगे और फिर आपको एक्सेप्ट करेंगे। इसके बाद सोनू ने कहा कि साउथ फिल्मों की सफलता के बाद अब हिंदी फिल्मों को बनाने का तरीका बदल जाएगा। एक्टर ने कहा कि फिल्ममेकर्स को अब दर्शकों की संवेदनशीलता को समझना होगा। उनकी रिस्पेक्ट करनी होगी। वो दिन गए जब लोग कहते थे कि अपना दिमाग पीछे छोड़ दो। अब वे लोग अपना दिमाग नहीं छोड़ेंगे और किसी भी फिल्म के लिए हजार रुपये खर्च नहीं करेंगे। सिर्फ अच्छे सिनेमा को एक्सेप्ट किया जाएगा। बता दें कि सोनू वैसे खुद कई साउथ फिल्मों में काम कर चुके हैं। अभी वह तेलुगु फिल्म आचार्या में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में चिरंजीवी और राम चरण भी हैं। इसके अलावा उनके पास तमिल फिल्म भी है जो इसी साल रिलीज होगी। वहीं बॉलीवुड फिल्म की बात करें तो वह पृथ्वीराज फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में सोनू के साथ अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर लीड रोल में हैं।

-किच्चा-अजय के बीच क्या हुआ

किच्चा ने एक इवेंट में केजीएफ चैप्टर 2 की सक्सेस के बारे में बात करते हुए कहा था, हिंदी अब राष्ट्रीय भाषा नहीं रही। बॉलीवुड आज भी पैन इंडिया फिल्म बना रहा है। वो लोग तमिल और तेलुगु में फिल्में डब कर सक्सेस के लिए स्ट्रगल कर रहे हैं। आज हम जो फिल्में बना रहे हैं, वो हर जगह देखी और सराही जा रही है। इसके बाद अजय देवगन ने ट्वीट किया था, सुदीप किच्चा मेरे भाई आपके अनुसार अगर हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है तो आप अपनी मातृभाषा की फिल्मों को हिंदी में डब करके क्यूं रिलीज करते हैं? हिंदी हमारी मातृभाषा और राष्ट्रीय भाषा थी, है और हमेशा रहेगी। जन गण मन। फिर सुदीप ने ट्वीट किया था, हेलो अजय देवगन सर मैंने जिस सेंस में वो बात कही थी शायद आप तक अलग तरह से पहुंची है। जब आपसे पर्सनली मिलूंगा तब बताऊंगा कि वो स्टेटमेंट क्यों दिया था। यह किसी को हर्ट करने, उकसाने या कोई बहस शुरू करने के लिए नहीं था। मैं ऐसा क्यों करूंगा सर? मैं चाहता हूं कि यह टॉपिक यहीं खत्म हो जाए क्योंकि वह लाइन मैंने एकदम किसी और सेंस में कही थी। आपको हमेशा बहुत प्यार और शुभकामनाएं, उम्मीद है हम जल्द मिलेंगे।

जीवन में मुश्किल समय हमें परफेक्ट बनाता है : काजल

टीवी शो सिर्फ तुम में नजर आ रही अभिनेत्री काजल पिसल को लगता है कि जीवन में मुश्किल समय हमें परफेक्ट बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि, जिंदगी में कठिन समय से गुजरना हमें बहुत कुछ सीखा जाता है। उस समय हमें काफी बदलाव की जरूरत होती है। हम उस समय वास्तव में सीखते हैं कि हमारे जीवन में कौन और कैसे लोग मायने रखते हैं। अभिनेत्री को लगता है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें अपने किरदारों और पर्दे पर अभिनय करने वाली परिस्थितियों से वास्तविक जीवन में रोशनी मिली है। काजल को बड़े अच्छे लगते हैं, साथ निभाना साथिया और नागिन 5 जैसे शो में काम करने के लिए जाना जाता है।

चमड़े के खिलाफ अभियान में पेटा का हिस्सा बनीं सोनाक्षी

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया के लिए एक नए अभियान में भाग लिया है, जो प्रशंसकों को चमड़ा छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। अभियान के लिए सोनाक्षी एक बैग पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं, जिसमें से खून टपक रहा है। इससे वह 1.4 अरब से अधिक गायों, कुत्तों, बिल्लियों, भेड़ों और बकरियों और लाखों अन्य जानवरों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करती है, जिन्हें हर साल चमड़े के लिए मार दिया जाता है। सिन्हा ने कहा, गाय और भैंस बुद्धिमान, भावुक जानवर हैं, जो अपने प्रियजनों के खोने और अलग होने का शोक मनाते हैं, इसलिए जब मैं खरीदारी करती हूं तो मैं सोच-समझकर चमड़े का चयन करती हूं। पेटा इंडिया के साथ इस अभियान के माध्यम से मुझे उम्मीद है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक कर सकेंगे, जिससे वह अपने फैशन को सही ढंग से मजेदार बनाए। सोनाक्षी पहले पशु संरक्षण कानूनों को मजबूत करने के आह्वान में अन्य सितारों के साथ शामिल हो चुकी हैं।

शाहरुख के साथ स्क्रीन साझा करने के मौके का इंतजार

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को 17 अप्रैल को बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के साथ देखा गया था। उसके बाद से प्रशंसकों ने शाहरुख के साथ सोशल मीडिया पर पागलपंती की अभिनेत्री को ट्रेंड करा दिया और कहा कि वे दोनों को स्क्रीन पर रोमांस करते देखना चाहते हैं। जब उर्वशी से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरे प्रशंसक मुझसे इतना प्यार करते हैं कि वे अब मुझे जानते हैं। मैं वास्तव में शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करने के अवसर की कामना और इंतजार करती हूं। यह किसी भी अभिनेत्री का सपना है। आशा है कि यह जल्द ही होगा। उर्वशी जिन्हें मिस दिवा यूनिवर्स 2015 का ताज पहनाया गया था और बाद में उन्होंने मिस यूनिवर्स 2015 पेजेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह मिस यूनिवर्स पेजेंट 2021 की पहली सबसे कम उम्र की जज भी थीं, जिनके सोशल मीडिया पर 4.8 करोड़ फॉलोअर्स हैं। वह आगे कहती हैं, सोशल मीडिया प्रशंसकों के संपर्क में रहने का एक आसान तरीका बन गया है। लोगों से मिल रहे बेइंतहा प्यार पर खुश होते हुए रौतेला ने कहा कि वह केवल अपने दर्शकों का मनोरंजन करना चाहती हैं और उनके दिल जीतना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे उनके परिवार के सदस्यों की तरह ही हैं। अभिनेत्री अगली बार अमेरिकी गायक-गीतकार जेसन डेरुलो के साथ आगामी म्यूजिक वीडियो और रणदीप हुड्डा के साथ एक बॉलीवुड फिल्म इंस्पेक्टर अविनाश में दिखाई देंगी।

रशिमका मंदाना के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए बेताब निखिल परमार

एक्टर निखिल परमार साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ काम करके काफी खुश हैं। निखिल परमार कहते हैं, रश्मिका के साथ एक फ्रेम में रहना मेरी किस्मत है। वह बहुत खूबसूरत और प्रतिभाशाली एक्ट्रेस हैं। उनका स्वभाव एक आम इंसान जैसा है। मैं उनसे प्रेरित हुआ हूं। हम दोनों ने अपकमिंग टीवीसी की शूटिंग की। निखिल परमार को काशीबाई बाजीराव बलाल, नीमा डेन्जोंगपा, निशा और उसके चचेरे भाई जैसे टीवी से लोकप्रियता हासिल हुई। एक्टर ने आगे बताया, मैं 2012 से शोबिज का हिस्सा हूं और 10 सालों के लंबे स्ट्रगल के बाद मैं आज यहां हूं। गुजराती इंडस्ट्री ने मेरा खूब साथ दिया। मुझे अपने दर्शकों का मनोरंजन करने का अवसर मिला। यह समय है, जब मैं बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाऊं। मैं आखिरकार अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रहा हूं और डिजिटल प्रोजेक्ट तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से महसूस करता हूं कि कोई भी चीज आपकी लक्ष्य के बीच नहीं आ सकती। हमारे पास जो कुछ भी है उसका लाभ उठाना चाहिए, कठिन समय में भी ईमानदारी रहना चाहिए, धैर्य ही हमारी ताकत है, हमें कोई भी मजबूर नहीं कर सकता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

नॉटो रूस के खिलाफ यूक्रेन का समर्थन आने वाले सालों तक करने को तैयार

लंदन। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा है कि सैन्य गठबंधन रूस के खिलाफ युद्ध में आने वाले वर्षो में यूक्रेन का समर्थन करने को तैयार है। ब्रसेल्स में युवा शिखर सम्मेलन में स्टोलटेनबर्ग ने कहा, हमें लंबी अवधि के लिए तैयार रहने की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि ऱइसकी पूरी संभावना है कि यह युद्ध महीनों और वर्षो तक चलेगा। नाटो देशों के प्रतिनिधि सप्ताह की शुरूआत में जर्मनी के रामस्टीन में उन राष्ट्रों के प्रतिनिधियों से मिले, जो गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने इस पर चर्चा की कि वे यूक्रेन की रक्षा और सुरक्षा का समर्थन किस तरह कर सकते हैं। नाटो प्रमुख ने कहा कि यूक्रेन के सहयोगी उस नाटो–मानक हथियार उपलब्ध कराने की तैयारी कर रहे हैं।
24 फरवरी को रूस के आक्रमण के बाद से कई देश यूक्रेन को सैन्य सहायता और वित्तीय सहायता भेज रहे हैं। क्रेमलिन ने पश्चिम को चेतावनी दी है कि यूक्रेन को भारी हथियार भेजने से यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा को खतरा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने आलोचना के लिए ब्रिटेन की आलोचना कर कहा कि वह यूक्रेन को रूसी क्षेत्र में रूस पर हमला करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यूक्रेन को रूसी सुविधाओं के खिलाफ हमले के लिए उकसाने वाले और उकसावे का रूस से कड़ा जवाब दिया जाएगा।' रूस यूक्रेन जाने वाले पश्चिमी अधिकारियों को पास के यूक्रेनी लक्ष्यों पर जवाबी हमले शुरू करने से रोकने की अनुमति नहीं देगा। प्रवक्ता ने चेतावनी दी, यूक्रेन के निर्णय लेने वाले केंद्रों में रहने वाले पश्चिमी देशों के सलाहकार रूस के प्रतिक्रिया उपायों के लिए जरूरी नहीं होगी।

अब गे भी कर सकेंगे रक्तदान, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने लिया बड़ा फैसला

ओटावा। 'हेल्थ कनाडा' ने समलैंगिक पुरुषों के रक्तदान करने पर से प्रतिबंध हटा दिया है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस कदम को 'सभी कनाडाई लोगों के लिए अच्छी खबर' बताते हुए कहा कि इसमें हालांकि काफी समय लग गया। ट्रूडो ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रतिबंध 10–15 वर्ष पहले हटा दिया जाना चाहिए था। शोध में यह बात सामने आई थी कि इससे रक्त आपूर्ति की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा, तब भी पिछली सरकारों ने यह कदम नहीं उठाया। ट्रूडो ने कहा कि रक्त दान संबंधी नियम बदलने के सुरक्षा पहलुओं पर शोध करने के लिए उनकी सरकार ने 39 लाख डॉलर खर्च किए हैं और कई वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि 'हमारी रक्त आपूर्ति सुरक्षित बनी रहेगी।' 'कनैडियन ब्लड सर्विसेज' ने 'हेल्थ कनाडा' से उस नीति को खत्म करने का अनुरोध किया था, जिसके तहत समलैंगिक यौन संबंध बनाने के तीन महीने तक समलैंगिकों के रक्त दान करने पर प्रतिबंध था। 'हेल्थ कनाडा' ने उसके अनुरोध पर गौर करते हुए अब यह प्रतिबंध हटा दिया है। 'हेल्थ कनाडा', कनाडा सरकार का एक विभाग है जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों से जुड़े फैसले करता है। यह नीति 1992 में लागू की गई थी। एक रक्त घोटाले के बाद समलैंगिक पुरुषों द्वारा रक्तदान करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि, बाद में रक्तदान संबंधी नियमों में कई बदलाव किए गए, 2019 में इस प्रतिबंध की अवधि घटाकर तीन महीने कर दी गई थी।

सोने की अवैध खदान में भूस्खलन, 12 महिलाओं की मौके पर ही हुई मौत; 2 घायल

मेडन (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर सोने के अवैध खनन अभियान के दौरान भूस्खलन हो गया जिसके चलते करीब 12महिलाएं कई टन म्टिटी के नीचे दब गई, जिनके शवों को बचाव दल ने बाहर निकाला। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख मार्लोन राजगुकगुक ने बताया कि उत्तरी सुमात्रा के मांडैलिंग नेटाल जिले के एक दूरदराज के गांव में एक छोटी और अनधिकृत सोने की खदान में लगभग 14 महिलाएं बृहस्पतिवार को 2 मीटर (6.5 फीट) गहरे गड्ढे में सोने की तलाश कर रही थीं। तभी भूस्खलन ने आसपास की पहाड़ियों को हिला दिया और वे सभी महिलाएं उसकी मिट्टी के नीचे दब गईं। राजगुकगुक ने बताया कि दो घंटे तक चले तलाशी एवं बचाव अभियान में दो घायल महिलाओं को बचाया लिया गया और 12 अन्य महिलाओं के शवों को मलबे से निकाला गया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने क्षेत्र में सोने के अवैध गड्ढों को बंद कर दिया है जहां से बृहस्पतिवार को हुए भूस्खलन से पहले तक ग्रामीण पारंपरिक तरीके से सोना निकालते थे।

यूक्रेन के कई बड़े हिस्सों पर रूस का हमला, इमारतें ध्वस्त; मलबे के नीचे दबे लोग

कीव। रूस ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव के दौरे के बीच कीव समेत यूक्रेन के एक बड़े हिस्से पर बमबारी की। बचाव कर्मियों ने कहा कि कीव पर हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घायल हो गए। उन्होंने कहा कि दो इमारतें ध्वस्त होने के बाद कुछ लोग मलबे के नीचे दबे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के साथ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की संयुक्त प्रेस वार्ता के एक घंटे बाद ही यह हमला किया गया। एक प्रवक्ता ने बताया कि गुतारेस और उनका दल सुरक्षित है। इस बीच देशभर से धमाके की खबरें प्राप्त हुईं। पोलिन, चेर्निहिव और फास्तिव में भी बमबारी हुई। दक्षिणी यूक्रेन में ओडेसा के महापौर ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने रॉकेट के हमलों को नाकाम कर दिया।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला ने भारतीय उच्चायुक्त से की मुलाकात

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के नेतृत्व वाली 'श्रीलंका फ्रीडम पीपुल्स पार्टी' (एसएलएफपी) के सदस्यों ने भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले से मुलाकात कर उन्हें देश में मौजूदा राजनीतिक गतिरोध तथा सबसे खराब आर्थिक मंदी को दूर करने के लिए अपनी एक अंतरिम सरकारी व्यवस्था की योजना के बार में बताया। एसएलएफपी के ये सदस्य श्रीलंका में सत्तारूढ़ 'श्रीलंका पीपुल्स पार्टी' (एसएलपीपी) में शामिल हैं, लेकिन इन्होंने अभी बगावती रुख इख्तियार कर रखा है। श्रीलंका 1948 में आजाद होने के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई है, जिससे वह खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान नहीं कर पा रहा है। एसएलएफपी के महासचिव दयासिरी जयशेखर ने बताया कि अंतरिम सरकारी व्यवस्था के बारे में जानकारी देने के लिए हमने भारतीय उच्चायुक्त से मुलाकात की।' उन्होंने कहा, यह सत्ता के बंटवारे की नहीं बल्कि देश को आर्थिक संकट से उबारने की व्यवस्था है। सांसदों के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है।
यह पूछने पर कि क्या अंतरिम सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रधानमंत्री इस्तीफा देने वाले हैं, दयासिरी जयशेखर ने कहा कि ऐसा होने की संभावना नहीं है। गौरतलब है कि राजपक्षे परिवार पर इस्तीफे का दबाव बढ़ रहा है और हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति सचिवालय के बाहर करीब तीन सप्ताह से स्थायी रूप से डेरा डाले हुए हैं।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन सैन्य परेड में शामिल सैनिकों से मुलाकात करते हुए।

पुरुषों का छोटा समूह पशुओं की तरह व्यवहार करता है :ब्रिटिश भारतीय मंत्री

लंदन। गोवा मूल की एक कैबिनेट मंत्री ने कुछ ब्रिटिश सांसदों पर अनुचित व्यवहार के आरोपों के बीच बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि कुछ पुरुष नेता पशुओं की तरह व्यवहार करते हैं।' ब्रिटेन की अटॉर्नी जनरल सुएला ब्रेवरमैन ने बीबीसी के साथ एक रेडियो साक्षात्कार में कहा कि वह इस बात को लेकर शर्मिंदा हैं कि जिस सांसद पर संसद में पोर्न देखने का आरोप लगा है, वह उनकी ही पार्टी के हैं। वह पिछले दिनों सामने आई उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रही थीं कि एक मंत्री ने कंजर्वेटिव सांसद पर हाउस ऑफ कॉमन्स के कक्ष में पोर्नोग्राफी (अश्लील फिल्म) देखने का आरोप लगाया है और इस मामले की अब जांच की जा रही है। ब्रेवरमैन (42) ने कहा, 'मेरा व्यक्तिगत अनुभव है, मैं सात साल से सांसद हूं, कंजरवेटिव पार्टी में हूं और 20 साल से राजनीति में हूं – किसी भी अवसर पर मुझे असहज महसूस नहीं होना पड़ा और जिन पुरुषों के साथ मैंने काम किया, वे सभी सम्मानजनक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि पुरुषों का एक बहुत छोटा समूह 'खराब सेब' है और वे पशुओं की तरह व्यवहार करते हैं और संसद को बदनाम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि यह मुद्दा समाज में एक व्यापक समस्या का चिंताजनक लक्षण है और सार्वजनिक रूप से पोर्न देखना सामान्य हो गया है।

पाकिस्तान पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं: विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली (एजेंसी)

शहबाज शरीफ के पाकिस्तान का नया प्रधानमंत्री बनने के एक पखवाड़े बाद भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके इस रुख में कोई बदलाव नहीं आया है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत आतंकवाद से मुक्त माहौल में ही हो सकती है और ऐसा माहौल बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद पर है।
विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह भी कहा कि कराची में आतंकवादी हमले ने केवल इस जरूरत को ही रेखांकित किया है कि सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एकसमान रुख अख्तियार करना होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है।
बागची ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया कश्मीर यात्रा को 'दिखावा' करार देने वाली शरीफ की टिप्पणी को खारिज कर दिया और कहा कि पाकिस्तान को इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, 'कहीं भी होने वाले आतंकवाद के सभी स्वरूपों के खिलाफ हमारा रुख सतत और स्थिर रहा है। हम (उनकी) निंदा करते रहे हैं। यह विशेष

घटना सभी देशों द्वारा आतंकवाद के खिलाफ एकसमान रुख अपनाने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।'
गौरतलब है कि मंगलवार को कराची विश्वविद्यालय में एक आत्मघाती बम हमले में चीनी के तीन शिक्षकों और उनके स्थानीय चालक की मौत हो गयी थी। पाकिस्तान से बातचीत के मुद्दे पर भारत के रुख के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इसमें कोई परिवर्तन नहीं आया है। उन्होंने कहा, 'हमारा रुख बहुत सीधा है। आतंकवाद से मुक्त माहौल होना चाहिए, तभी वार्ता हो सकती है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने शिष्टाचार स्वरूप पत्रों का आदान-प्रदान किया। यह हमारी वैध मांग है कि आतंकवाद से मुक्त माहौल हो।' बागची ने कहा कि इस तरह के माहौल के बिना बातचीत नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।'
शरीफ के पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पत्र लिखकर कहा था कि भारत पाकिस्तान के साथ सकारात्मक संबंधों की अपेक्षा रखता है। जवाब में शरीफ ने दोनों देशों के बीच 'सार्थक' बातचीत की वकालत की। शरीफ द्वारा रविवार को मोदी की कश्मीर दौरे को 'दिखावा' बताये जाने के बारे में पूछे जाने पर बागची ने सवाल किया कि इसका वास्तव में क्या मतलब है।
उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के दौरे के मुद्दे पर, मुझे 'दिखावा' शब्द समझ में नहीं आता है। ऐसा लगता है कि यह दौरा हुआ नहीं था और हम यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह हुआ था।' उन्होंने कहा, 'उनका (प्रधानमंत्री का) जो स्वागत-सत्कार हुआ और आपने जो तस्वीरें देखीं उससे यह बिल्कुल साफ है। उन्होंने जिन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और धरातल पर जो बदलाव हुए हैं, वे प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर उठने वाले किसी भी सवाल का बिल्कुल स्पष्ट जवाब हैं।'

यूक्रेन के मुद्दे पर भारत से बातचीत जारी रखेगा अमेरिका: व्हाइट हाउस

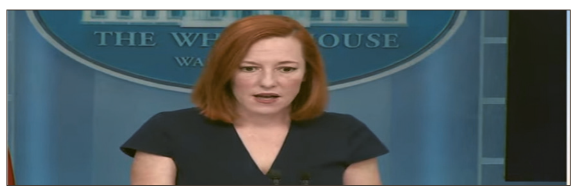

वाशिंगटन (एजेंसी)

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा है कि अमेरिका, यूक्रेन के मुद्दे पर भारत के साथ बात कर रहा है और अगले महीने जापान में होने वाले क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) शिखर सम्मेलन में भी इस पर बातचीत की जाएगी। साकी ने पत्रकारों से कहा, 'युद्ध में यूक्रेन के लोगों की मदद करने के लिए भारतीय नेताओं के साथ हमारी बातचीत जारी है...चाहे वह हमारे द्वारा लगाए गए प्रतिबंध हो या हमने जो सहायता प्रदान की है। हम बैठक में ये बातें रखेंगे।' जापान में मई में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन और उसमें यूक्रेन का मुद्दा कैसे उठाया जाएगा या उस पर क्या चर्चा होगी के संबंध में किए सवाल के जवाब में साकी ने यह बात कही। क्वाड में ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन ने बताया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन तोक्यो यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। साकी ने कहा, 'बैठक में अभी कई सप्ताह हैं, इसलिए काफी कुछ हो सकता है। जैसा कि आपको पता है कि क्वाड के अन्य सदस्य देश भी युद्ध लड़ने में यूक्रेन के प्रयासों में उसकी मदद करने में महत्वपूर्ण साझेदार तथा समर्थक हैं।' उन्होंने कहा, 'उदाहरण के तौर पर जापान ने न केवल कई प्रकार की सहायता प्रदान की है, बल्कि वे यूरोप की मदद के लिए कुछ एलएनजी संसाधनों के बदलाव पर भी सहमत हुए हैं। उन्होंने कई कदम उठाए हैं,जिन पर चर्चा की जाएगी।

शंघाई में भूख से मर रहे लोग, खिड़कियों और बालकनियों में खड़े होकर चीन की सरकार के खिलाफ लगा रहे नारे

बीजिंग। (एजेंसी)

चीन के वुहान से शुरू हुआ कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। 2019 में चीन से ही कोरोना का सबसे पहला मामला सामने आया और धीरे-धीरे पूरी दुनिया में तबाही मचाने लगा। जहां चीन ने शुरूआती दौर में इस वायरस से काबू पा लिय था आज वहीं हालात काफी खराब होते हुए दिख रहे है। इस समय चीन करोना के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है, अगरी कोई देश है जो कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है तो वो है चीन का शंघाई शहर जहां कई हफ्तों से लॉकडाउन लगा हुआ है। स्थिति काबू में नहीं आ रही है जिसके कारण शंघाई के बाद बिजिंग पर भी खतरा काफी मंडराने लगा हैं। चीन के अधिकारियों ने एहतियात तौर पर स्कलों को बंद करना का आदेश जारी कर दिया है। कोविड-19 के गाइडलाइन को और भी सख्त करते हुए चीन की राजधानी के सभी स्कूलों को बंद करना का आदेश दे दिया गया है। इससे कोरोना का संक्रमण फैलने से रोका जा सकेगा। 2.1 करोड़ आबादी वाले शहर के शिक्षा ब्यूरो ने सभी स्कूलों को शुक्रवार से बंद रखने का आदेश दिया और कहा कि अभी तय नहीं है कि स्कूलों को कब खोला जाएगा। बीजिंग प्रशासन के मुताबिक, गुरुवार को शहर में कोरोना के 50 नए मामले दर्ज किए गए है और इससे शहर में संक्रमित होने वालों की संख्या करीब 150 हो गई है। कोरोना के कुल मामले 30 फीसदी से अधिक है जिनमें बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा है।

पहले विदेशी दौरे के दौरान ही पाकिस्तानी पीएम की हो गई इंटरनेशनल बेइज्जती, सऊदी अरब में लगे 'चोर-चोर' के नारे

रियाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने के बाद शहबाज शरीफ अपनी पहली विदेश यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे। लेकिन इस दौरान उनके साथ जो हुआ उसने उन्हें सरेआम शर्मसार कर दिया। वैसे तो पाकिस्तानी पीएम की बेइज्जती कई मौकों पर देखने को मिली है, लेकिन शहबाज शरीफ के साथ सऊदी अरब में बड़ा खेल हो गया। याद दिला दें कि इमरान खान जब रूस गए थे तो पूरी दुनिया में उस वक्त उनका मजाक बनाया गया था। बताया जाता है कि इसके बाद से ही उनकी सत्ता से विदाई तय हो गई थी। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ तो उससे भी बुरा हो गया।
पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ की इंटरनेशनल बेइज्जती हो गई है। सऊदी अरब में शहबाज के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगे हैं। खबरों के अनुसार भीड़ ने शहबाज के मंत्री शहजान बुगती के साथ धक्का-मुक्की भी कर दी है। बताया जा रहा है कि शहबाज शरीफ और उनके साथ गया प्रतिनिधिमंडल

जब मदीना में एंट्री कर रहे थे तो वहां मौजूद लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और प्रतिनिधिमंडल की इससे ज्यादा बेइज्जती और हो नहीं सकती।
शहबाज की प्रतिनिधिमंडल में मौजूद पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने आरोप लगाया है कि इन नारों के पीछे इमरान खान का हाथ है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने औरंगजेब के हवाले से कहा कि मैं इस पवित्र भूमि पर उस शख्स का नाम नहीं लूंगी क्योंकि मैं इस धरती का इस्तेमाल राजनीति के लिए नहीं करना चाहती। लेकिन उन्होंने समाज को बर्बाद कर दिया है। बता दें कि शहबाज शरीफ सऊदी अरब से 3.2 अरब डॉलर का पैकेज मांगने गए हैं।

बांग्लादेश में ड्रैगन को कूटनीतिक शिकस्त, शेख हसीना ने भारत को ऑफर किया चटगांव बंदरगाह

ढाका (एजेंसी)

चीन के नहले पर भारत ने दहला की तर्ज पर ड्रैगन की चाल को नाकाम करते हुए बांग्लादेश में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल कर ली है। दरअसल, बांग्लादेश ने भारत को पूर्वोत्तर राज्यों से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए चटगांव बंदरगाह के इस्तेमाल की पेशकश की है। इस बंदरगाह के जरिए न केवल भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे, बल्कि पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे असम, मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा से कनेक्टिविटी भी सुधर जाएगी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यह पेशकश भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात के दौरान की है। चटगांव बंदरगाह बांग्लादेश का मुख्य बंदरगाह है। आधिकारिक यात्रा पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे जयशंकर ने हसीना को उनके भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी की तरफ से नई दिल्ली आने का निमंत्रण दिया। जयशंकर ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं के मार्गदर्शन में हमारे द्विपक्षीय संबंध मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।
बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के प्रेस सचिव एहसानुल करीम ने बताया कि बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि दोनों देशों को अपने संपर्क को और बढ़ाना होगा। करीम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जयशंकर से कहा कि परस्पर लाभ के लिए संपर्क बढ़ाने की जरूरत है, और बांग्लादेश के दक्षिणपूर्वी चटगांव बंदरगाह का उपयोग करने में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को विशेष रूप से फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यदि संपर्क बढ़ाया जाता है, तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों - जैसे असम और त्रिपुरा को चट्टोग्राम में बंदरगाह तक पहुंच प्राप्त हो सकती है।
बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि बांग्लादेश और भारत के बीच सीमा पार मार्गों को फिर से शुरू करने के लिए पहल की गई थी, जिन्हें 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान बंद कर दिया गया था। तब बांग्लादेश पाकिस्तान का पूर्वी हिस्सा था। करीम ने कहा कि प्रधानमंत्री हसीना की जयशंकर के साथ आधे घंटे से अधिक लंबी बैठक के दौरान कई द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने बाद में अपने बांग्लादेशी समकक्ष एके अब्दुल मोमेन के साथ बातचीत की और फिर संयुक्त रूप से मीडिया को जानकारी दी। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, डॉ. मोमेन और डॉ. एस जयशंकर ने बांग्लादेश और भारत के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने चल रहे बांग्लादेश-भारत सहयोग के बारे में संतोष व्यक्त किया, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प जताया, समग्र रूप से सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए क्षेत्रीय स्थिरता पर जोर दिया।
जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री हसीना के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी सुविधा के समय भारत आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि मैंने (उन्हें) बताया कि हम उनकी सुविधा के अनुसार भारत की उनकी यात्रा के लिए आकांक्षी हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ तर्कसंगत और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। स्थानीय मीडिया ने

करीम के हवाले से कहा कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग, कुशियारा और फेनी नदियों का जल बंटवारा, वर्तमान कोविड-19 स्थिति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव को लेकर प्रमुखता से चर्चा की गई। संक्षिप्त आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे जयशंकर का बांग्लादेश की वायुसेना के हवाई अड्डे बंगबंधु में विदेश मंत्री मोमेन ने स्वागत किया। उनकी बांग्लादेश यात्रा का उद्देश्य प्रधानमंत्री हसीना की भारत यात्रा के लिए आधार तैयार करना है।

सार समाचार

कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार पर मुख्यमंत्री बोम्मई तीन मई को अमित शाह से कर सकते हैं बातचीत

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार या उसमें फेरबदल के विषय पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से तीन मई को विचार विमर्श कर सकते हैं। कर्नाटक में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बोम्मई पर अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने या उसमें फेरबदल का दबाव है। शाह के तीन मई को शहर का दौरा करने का कार्यक्रम है। बोम्मई शुक्रवार रात आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली जाने वाले हैं,लेकिन इस यात्रा के दौरान भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व के साथ उनकी बैठक नहीं होगी। विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार करने की विधायकों की मांग के बारे में पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यह्य मैं उनकी भावनाओं को समझता हूं और इससे पार्टी नेतृत्व को अवगत करा दिया है, जिन्होंने (भाजपा नेतृत्व ने) कहा है कि उचित वक्त में इस पर निर्णय लिया जाएगा। अमित शाह तीन मई को बेंगलुरु आने वाले हैं, मैं उस अवसर का इस्तेमाल (कैबिनेट के बारे में चर्चा करने के लिए) करूंगा।' बोम्मई ने संवाददताओं से कहा कि वह सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य न्यायाधीशों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए जा रहे रात्रि भोज में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल होकर वह रविवार सुबह लौट आएंगे, इसलिए इस यात्रा के दौरान उनकी किसी केन्द्रीय मंत्री अथवा पार्टी अध्यक्ष के साथ बैठक नहीं होगी।

बिहार: राज्य में शराब के अवैध रैकेट पर पुलिस कसेगी एआई उपकरणों के जरिए नकेल

पटना। बिहार पुलिस जल्द ही अवैध शराब के कारोबार और अन्य अपराधों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का इस्तेमाल करेगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एआई तंत्र सभी कार्यों को डिजिटल तरीके से स्वचालित करेगा, बल को अब रिकॉर्ड को मैन्युअल रूप से बनाए रखने की आवश्यकता नहीं होगी। एक बार शुरू होने के बाद, यह राज्य में अवैध शराब व्यापार में शामिल गिरोहों या व्यक्तियों को पकड़ने में पुलिसकर्मियों की मदद करेगा। रीयल-टाइम एनालिटिक्स और स्वचालित प्रक्रियाओं के साथ उनके संचालन के क्षेत्र की पहचान करना आसान होगा। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) कमल किशोर सिंह ने कहा, कानून प्रवर्तन एजेंसियां पहले से ही देश भर में कई तरीकों से एआई की क्षमता का खुलासा कर रही हैं। गौरतलब है कि अप्रैल 2016 में लागू शराब निषेध कानून, राज्य में शराब के निर्माण, बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगाता है। सिंह ने कहा कि बिहार पुलिस बल के भीतर एक समर्पित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कैडर के निर्माण के लिए आवश्यक उपाय करने की योजना बना रही है। इसने हाल ही में इस मामले में गृह मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है। अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) ने कहा, प्रस्तावित कैडर में आईटी इंस्पेक्टर और आईटी कांस्टेबल सहित लगभग 2,000 अधिकारी और कर्मी होंगे।

शाहीनबाग में तालिबानी हेरोइन, 2 अफगानी नागरिक गिरफ्तार, जांच में जुटी एजेंसियां

नई दिल्ली। दिल्ली का शाहीनबाग इलाका हमेशा सुर्खियों में बना रहता है। बीते वर्ष सीएए विरोधी धरना प्रदर्शन की वजह से शाहीनबाग खबरों में था। फिर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर अभियान चलाए जाने को लेकर भी शाहीन बाग बीते दो-तीन दिनों से चर्चा में है। लेकिन अब शाहीन बाग में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी की बड़ी कार्रवाई हुई है और एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रैग रैकेट का खुलासा हुआ है। शाहीन बाग में 100 किलो ड्रग्स बरामद किए गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अफगानिस्तान से ये ड्रग्स लाए गए थे। अफगानिस्तान से 50 किलो की हेरोइन की खेप थी। इसके साथ ही 30 लाख रुपये और नोट गिनने की मशीन भी बरामद की गई है। इस मामले में एनसीबी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 2 अफगान नागरिक बताए जा रहे हैं। दोनों अफगान नागरिकों का तालिबानी लिंक भी सामने आ रहा है। पूरे मामले में नार्को-आतंकवाद से संबंध की कड़ियां जुड़ने लगी हैं। इसके दुबई और पाकिस्तान से संबंध भी सामने आ रहे हैं। दुबई से इस सिंडिकेट के ऑपरेट होने की वजह से जांच एजेंसी को शक है कि इस मामले में अंडरवर्ल्ड का हाथ है। साथ ही साथ बरामद हेरोइन और अन्य ड्रग्स के सैंपल हाल ही में अटारी बॉर्डर के पास बरामद ड्रग्स से मेल खाते हैं।

52 साल बाद दिल्ली में पड़ रही है भीषण गर्मी, जलती 'लू' के साथ 3 मई तक आग उगलेगा आसमान

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को भी भीषण लू चलने और अधिकतम तापमान के 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूवार्नुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी की ओर से सुबह साढ़े आठ बजे जारी किए गए बुलेटिन के अनुसार, 'पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ तथा जम्मू, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड के कुछ हिस्सों, पश्चिम बंगाल के पश्चिमी हिस्सों, तेलंगाना और ओडिशा में लू चलने की

संभावना है।' मौसम विभाग के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 28 प्रतिशत रहा। आईएमडी के अनुसार, मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक या सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होने पर गर्म हवाओं को 'लू' घोषित किया जाता है। सामान्य से 6.4 डिग्री अधिक तापमान होने पर 'भीषण लू' की घोषणा की जाती है। दिल्ली में बृहस्पतिवार को अप्रैल में 12 साल का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया था और अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस था। राष्ट्रीय राजधानी में 18 अप्रैल 2010 को अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता पूवार्नुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) के अनुसार, शहर में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में रही। सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 रहा। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' तथा 401 से 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' माना जाता है।

अब दुश्मनों की खैर नहीं! ब्रह्मोस के एंटी शिप वर्जन का हुआ जबरदस्त ट्रायल

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय नौसेना और अंडमान निकोबार कमांड ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह से ब्रह्मोस के एक एंटी शिप वर्ज की टेस्टिंग की है। एंटी शिप वर्जन के माध्यम से टारगेट को समुद्र में सफलता पूर्वक नष्ट करके युद्ध की तैयारी का प्रदर्शन किया गया है। अंडमान निकोबार कमान की ओर से किये गए ट्वीट में यह जानकारी दी गई। ये परीक्षण बुधवार को किया गया। बता दें कि अंडमान निकोबार कमांड देश का एकलौता ऐसा कमांड है जहां देश की तीनों सेनाओं का संचालन एक साथ किया जाता है। कमांड की ओर से किए गए ट्विट में लिखा कि भारतीय नौसेना और एएनसी ने एक बार फिर से अपने कॉम्बैट रेडीनेस को दिखाने के लिए समुद्र में मौजूद टारगेट को ब्रह्मोस मिसाइल के एंटी सिप वर्जन से नष्ट कर दिया।

इससे पहले इसी महीने भारतीय वायुसेना ने अपनी अभियानगत तैयारियों का प्रदर्शन करते हुए 19 अप्रैल को पूर्वी समुद्री तट पर सुखोई लड़ाकू विमान से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। तब भारतीय वायुसेना ने कहा था कि मिसाइल का प्रदर्शन भारतीय वायुसेना के साथ निकट समनवय में किया गया। बता दें कि लगातार ब्रह्मोस के कई वर्जन का परीक्षण किया जा रहा है। ये एक तरह से भारतीय सेना की तैयारियों का सीधा-सीधा उदाहरण है। इससे पहले दो परीक्षण हुए थे जिसमें भारतीय वायुसेना ने देश के पूर्वी तट पर सुखोई 30 एम के फाइटर जेट से भारतीय नौसेना का एक खराब जहाज था। जिस पर उनसे सीधा प्रहार किया।

ब्रह्मोस मिसाइलों के अलग-अलग वर्जन का परीक्षण समय-समय पर किया जा रहा है। भारत ने पिछले कुछ महीनों में ही ब्रह्मोस का हवा, जमीन और समुद्र से सफल परीक्षण कर

लिया है। ब्रह्मोस भारत की एकलौती ऐसी मिसाइल है जिसे हवा, पानी, जमीन कहीं से भी दुश्मन पर दागा जा सकता है। बता दें कि इस क्षमता को ट्रायड कहा जाता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने सैन्य जरूरतों में आत्मनिर्भरता की जरूरत को रेखांकित किया: राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस बात को रेखांकित किया है कि सैन्य साजोसामान के मामले में आत्म-निर्भर होना बहुत जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं के तालमेल की जरूरत बताई। नौसेना के कमांडरों के सम्मेलन में सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अभियानों में 'संयुक्त रूप से काम करना' भविष्य में किसी भी युद्ध में अहम होगा और सैन्य कमानों का पुनर्गठन और थियेटर कमानों की स्थापना भी जरूरी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र में 'प्रामाणिक और प्रतिक्रियाशील' मौजूदगी स्थापित की है।

तीनों सेनाओं के बीच समन्वय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे जानकारी है कि समुद्री थियेटर कमान पर अध्ययन को लेकर काफी प्रगति हुई है।' योजना के अनुसार प्रत्येक थियेटर कमान में सेना, नौसेना और वायु सेना की इकाइयां होंगी और ये सभी किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक अभियान कमांडर के नेतृत्व में एक इकाई के रूप में काम करेंगी। सिंह ने कहा, 'दुनिया में मौजूद सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष ने एक बार स्पष्ट कर दिया है कि बिना किसी पर निर्भरता के आत्म-निर्भर होना अति महत्वपूर्ण है।' सरकार ने पिछले कुछ साल में भारत को रक्षा विनिर्माण का केंद्र बनाने पर ध्यान दिया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वदेश निर्मित पहले विमानवाहक पोत 'विक्रांत' का जलावतरण एक और ऐतिहासिक घटनाक्रम होगा। यह पोत अपने तीन समुद्री परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है। उन्होंने कहा, 'जी जान से कोशिश करनी होगी ताकि इस पोत को हमारी आजादी के 75वें वर्ष में नौसेना में शामिल किया जा सके। यह 'आजादी का अमृत महोत्सव' में अहम योगदान होगा।' रक्षा मंत्री ने कहा कि 41 जहाजों और पनडुब्बियों के ऑर्डर दिये गये हैं जिनमें से 39 भारतीय गोदियों में बनाये जा रहे हैं। सिंह ने कहा, 'नौसेना स्वदेशीकरण में अग्रणी रही है, वहीं हमें अभी तक प्राप्त सफलताओं को थामकर रखना होगा। मेरा वरिष्ठ पदाधिकारियों से अनुरोध है कि अपना ध्यान भविष्य को लेकर क्षमता विकास पर रखें ताकि देश की समुद्री ताकत हमारे आर्थिक हितों के साथ तालमेल करते हुए बढ़े।' उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता और समृद्धि सशस्त्र बलों पर निर्भर है। चार दिवसीय नौसेना कमांडर सम्मेलन की शुरूआत सोमवार को हुई।

पीएम मोदी के दौरे से पहले जर्मनी ने भारत को लेकर कह दी ऐसी बात, चीन और पाकिस्तान टेंशन में आ जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन के बीच भीषण जंग चल रही है। इस जंग ने पूरी दुनिया के लिए बड़ी परेशानियां पैदा कर रखी हैं। कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही है। इसी बीच रूस के एक तेल डिपो पर भी यूक्रेन ने हमला किया। जुसकी वजह से जर्मनी में तेल की कमी को लेकर हलचल तेज हो गई बै। वहीं रूस ने साफ कर दिया है कि इस हमले से लेत की सप्लाई में कोई कमी नहीं आएगी। लेकिन अब जर्मनी कुछ ज्यादा चिंता में नजर आ रहा है। ऐसे मुश्किल वक्त में जर्मनी को कोई मुल्क याद आया है तो वो भारत है।

दरअसल, जर्मनी के मंत्री टोबियास लिंडनर एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने भारत आए। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत पूरी दुनिया की व्यवस्था में एक अहम किरदार निभाता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि पूरी दुनिया को परेशानी में डालने वाला कोई भी मुद्दा भारत के बिना नहीं निपटाया जा सकता है। लिंडनर का ये भी कहना है कि भारत और जर्मनी मिलकर शिक्षा, सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में आपसी योजनाओं को और बढ़ावा देंगे। भारत के बिना किसी भी चुनौती का समाधान नहीं निकाला जा सकता।

गौरतलब है कि जर्मनी लगातार भारत के साथ और अच्छे संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि लिंडनर ने ये बातें ऐसे दौर में कही है जब पीएम मोदी जल्द ही जर्मनी का दौरा करने वाले हैं। पीएम मोदी की विदेश यात्रा शुरू होने वाली है। साल 2022 के इस अपने पहले विदेश दौरे में पीएम मोदी जर्मनी, डेनमार्क और फ्रांस यात्रा पर जाएंगे। पीएम की इस यूरोप यात्रा के एजेंडा में द्विपक्षीय संबंधों से लेकर क्षेत्रीय समीकरणों और व्यापार-निवेश तक कई अहम मुद्दे हैं।

पंजाब सरकार ने पंचायती जमीनों से अवैध कब्जा हटाने की शुरू की मुहिम, सिद्धू ने भी की तारीफ

चंडीगढ़ (एजेंसी)

पंजाब सरकार ने पंचायती जमीनों से अवैध कब्जे हटाने की शुरूआत कर दी है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग ने शिवालिक पहाड़ियों से सटे न्यू चण्डीगढ़ के बिल्कुल नजदीक ब्लॉक माजरी के गांव अभीपुर की करोड़ों रुपए की बेहद कीमती 29 एकड़ पंचायती जमीन का कब्जा छुड़वाकर इस पंचायत के हवाले कर दिया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री, राजस्व विभाग और ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी कानूनी प्रक्रिया की पालना करते हुए कब्जा लेने की यह कार्यवाही पूरी की गई है। इस कार्रवाई पर नवजोत सिंह सिद्धू ने सरकार की तारीफ की है। सिद्धू ने कहा है उम्मीद है कि सरकार बाकी अवैध कब्जों को भी छुड़वाकर पंचायतों को सौंपेगी।

पंजाब सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री कुलदीप धालीवाल ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि बिक्रम सिंह नाम का एक शख्स 2007 से इस जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ था। उन्होंने बताया कि जिले के तत्कालीन कलेक्टर ने जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए 2014 में आदेश जारी किए थे। परन्तु कुछ कानूनी अड़चनों के चलते विभाग के अधिकारी और पंचायत यह कब्जा छुड़ा नहीं सके थे।

पंचायत मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार बनते ही पहले महीने में यह बड़ी कार्यवाही करते हुए आज एसएएस नगर जिले की यह बेशकीमती जमीन से अवैध कब्जा छुड़वा लिया गया है। कुलदीप धालीवाल ने कहा कि आज पंचायती जमीनों से अवैध कब्जे छुड़ाने की मुहिम की शुरूआत हो गई है और 31 मई तक 5000 एकड़ जमीन से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे। इसके उपरांत हर महीने लक्ष्य निर्धारित कर अवैध कब्जे हटाने की यह मुहिम लगातार जारी रहेगी। इसके साथ ही उन्होंने जस्टिस कुलदीप सिंह की अवैध कब्जों वाली रिपोर्ट के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जल्द ही इस रिपोर्ट को जांच कर कार्रवाई पूरी की जाएगी। ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री ने इसके साथ ही कहा कि पंजाब सरकार राज्य की सभी पंचायती जमीनों से अवैध कब्जे हटाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा बगैर किसी भेदभाव के यह कब्जे हटाए जाएंगे और पंचायतों की जमीनें उन्हें सौंपी जाएंगी।

लगातार दूसरे दिन देश में सामने आए कोरोना के 3000 से ज्यादा केस, दिल्ली में संक्रमण की रफ्तार चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 3,377 नए मामले सामने आए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है जब कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामले 3000 से ज्यादा आए हैं। इससे पहले 28 अप्रैल को देश में कोरोना संक्रमण के 3,303 नए मामले दर्ज किए गए थे। बीते 24 घंटे में 2496 लोग कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए हैं, जबकि 60 लोगों की इस वायरस की वजह से मौत हुई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया कि भारत में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के लिए 4,73,635 सैंपल टेस्ट किए गए, अब तक कुल 83,69,45,383 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या अब 17,801 है। इस वायरस ने देश में अब तक 5,23,753 लोगों की जान ली है। बीते 24 घंटे में भारत में कोरोना वैक्सीन के 22,80,743 डोज लगाए गए हैं। इसके साथ ही देश में अब तक लगे कोरोना वैक्सीन डोज की संख्या 1,88,65,46,894 पहुंच गई है। कोरोना संक्रमण के सबसे ज?यादा नए मामले राजधानी दिल्ली से सामने आ रहे हैं। यहां लगातार 7वें दिन 1000 से ज?यादा कोविड-19 के नए केस मिले हैं। बुधवार को दिल्ली में 32,248 नमूनों की जांच की गई।

दिल्ली में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 1490 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 1070 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं, पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण की वजह से दिल्ली में 2 मौतें दर्ज की गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना के सक्रिय मामले अब 5,250 हैं। दिल्ली सरकार की हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, राज्य में अब तक 18,79,948 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं मृतकों की संख्या 26,172 पर पहुंच गई। हरियाणा में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 580 नये मरीज मिले और इनमें से 473 संक्रमित सिर्फ गुरुग्राम के हैं। पिछले कुछ सप्ताह के दौरान, दिल्ली की सीमा से सटे गुरुग्राम और फरीदाबाद में संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। नोएडा और गाजियाबाद में भी कोरोना के नए मामलों में वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कारोबारियों से कहा, बैंकिंग में सुधार सुझाने के लिए उद्यमियों का दल बनाएं

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कारोबारी समुदाय से उद्यमियों और विशेषज्ञों का दल बनाने को कहा जो बैंकिंग तथा अन्य क्षेत्रों में सुधारों के बारे में सुझाव दे सकें और खामियों को उजागर कर सकें। सूरत में तीन दिवसीय वैश्विक पाटीदार कारोबार सम्मेलन 2022 का डिजिटल तरीके से उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का ये निरंतर प्रयास है कि देश में ऐसा माहौल बने कि सामान्य से सामान्य परिवार का युवा भी उद्यमी बने। मोदी ने पाटीदार समुदाय के कारोबारी अगुवाओं से कहा, ह्यह्यमेरा आपसे अनुरोध है कि उद्यमियों और विशेषज्ञों का एक दल बनाएं जो बैंकिंग तथा अन्य क्षेत्रों में सुधारों और खामियों के बारे में बता सके और इन्हें बदलने के लिए सुझाव दे सके ह्रह्र उन्होंने कहा, ह्यह्यअपनी नीतियों, अपने कार्यों के माध्यम से सरकार का ये निरंतर प्रयास है कि देश में ऐसा माहौल बने कि सामान्य से सामान्य परिवार का युवा भी उद्यमी बने, उसके लिए सपने देखे, उद्यमिता पर गर्व करे।

देश के कई राज्यों में पावर प्लांट्स में कोयले की कमी, हो सकता हैं ब्लैक आउट

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली सहित देश के तमाम राज्यों में भीषण गर्मी का कहर जारी है। बढ़ती गर्मी के चलते इन दिनों बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन इस बीच दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में कोयला संकट की भी खबरें सामने आ रही हैं। कोयले की कमी के चलते दिल्ली सहित 12 राज्यों में बिजली संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। इस बीच दिल्ली सरकार ने चेतावनी दी है कि राजधानी में बिजली आपूर्ति करने वाले पावर प्लांट्स में कोयले की कमी है। इसकारण मेट्रो ट्रेन और अस्पतालों सहित सभी अहम संस्थानों को बिजली आपूर्ति करने में समस्या आ सकती है।

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने स्थिति को लेकर इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। साथ ही जैन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर पर्याप्त कोयला सप्लाई की मांग की है। ताकि पावर प्लांट को कोयला उपलब्ध हो और उससे दिल्ली में बिजली सप्लाई की जा सके।

दादरी, ऊंचाहार, कहलगांव, फरक्का और झज्जर पावर प्लांट से 1,751 मेगावाट बिजली हर दिन दिल्ली को भेजी जाती है। दिल्ली को ज्यादातर आपूर्ति दादरी-2 पावर प्लांट से की जाती है। वहीं, ऊंचाहार से 100 मेगावाट बिजली की आपूर्ति होती है। नेशनल पावर पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी पावर प्लांट्स पर कोयले की कमी है। दिल्ली सरकार ने कहा, दादरी-2 और ऊंचाहार पावर स्टेशन से बिजली आपूर्ति बाधित होने से दिल्ली मेट्रो और सरकारी अस्पतालों सहित कई आवश्यक संस्थानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति में समस्या हो सकती है।

जैन ने कहा, मौजूदा समय में दिल्ली में बिजली की 25-30 प्रतिशत मांग इन बिजली स्टेशनों के माध्यम से पूरी की जा रही है, और इन पावर स्टेशनों को कोयले की कमी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार स्थिति पर नजर बनाकर हर वह कदम उठा रही है, जिससे दिल्ली के लोगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री ने कहा, ये पावर स्टेशन दिल्ली के कुछ हिस्सों में ब्लैकआउट रोकने में अहम भूमिका निभाते हैं। ये स्टेशन गर्मियों में मेट्रो, अस्पतालों और लोगों को निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक हैं। बयान में कहा गया है कि नेशनल थर्मल पावर कॉपोर्रेशन (एनटीपीसी) के दादरी-2 और झज्जर की स्थापना मुख्य रूप से दिल्ली में बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए की गई थी। लेकिन अब इन पावर प्लांट्स पर काफी कम मात्रा में कोयले का स्टॉक बचा हुआ है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, अभी तक दिल्ली में हम लोग किसी तरह से मैनेज किए हुए हैं। पूरे भारत में स्थिति बेहद गंभीर है। हम सभी को मिलकर जल्द ही इसका समाधान निकालना होगा। इस समस्या से निपटने के लिए त्वरित ठोस कदम उठाने की जरूरत है। भीषण गर्मी और कोयले की कमी के चलते देश के 13 राज्य बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से बिजली संकट की खबरें सामने आ रही हैं। भारत में पिछले हफ्ते 623 मिलियन यूनिट बिजली की शॉर्टेज हुई है। यह पूरे मार्च महीने में हुई शॉर्टेज से ज्यादा है।

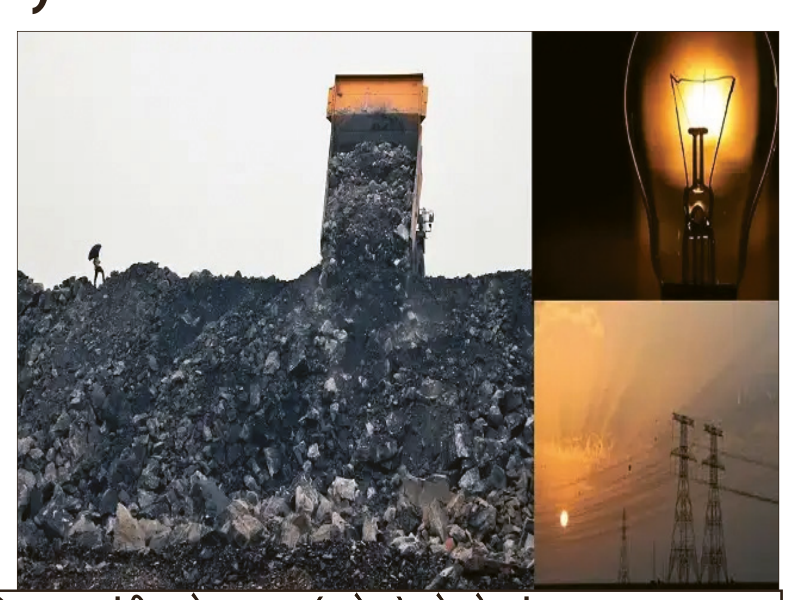

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेल में बंद नाइजीरियाई महिला बंदी का आरोप, कहा बैरक में तीन बार हुआ रेप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, गुजरात स्थित भुज की पलारा जेल में बंद 34 वर्षीय नाइजीरियाई महिला ने गुजरात उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया है कि जेल के एक कर्मचारी द्वारा न्यायिक हिरासत में उसके साथ बलात्कार किया गया। महिला ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की। दरअसल

महिला ने भुज के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के कहने पर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पीड़ित महिला ने मामले में स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की भी मांग की। उसने 21 अप्रैल को भुज अदालत को उस समय अपनी आपबीती सुनाई, जब उसे वहां पेश किया गया था। महिला जनवरी 2015 में वैध पासपोर्ट और बिजनेस वीजा लेकर भारत आई थी। उसके वकील दिलीप जोशी के मुताबिक वह अपने देश में बाल विग भेजने के लिए भारत आई थी। जब वह बालों के विग लेने के लिए भुज में थी, तो उसे 23 अक्टूबर 2021 को स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उसका वीजा समाप्त हो गया था।

महिला को भुज स्थित संयुक्त पूछताछ केंद्र भेजा गया। बाद में 6 दिसंबर, 2021 को कच्छ के माधापार पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 465, 471 के साथ पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई। उसे औपचारिक रूप से 8 दिसंबर, 2021 को गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन महिला को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में पलारा जेल भेज दिया।

मामले में 23 जनवरी 2022 को चार्जशीट दाखिल की गई थी। गिरफ्तार महिला को जब 21 अप्रैल को भुज के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, तो उसने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें उसने आरोप लगाया गया कि दो अन्य जेल कर्मचारियों की मदद से एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने उसे यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था। महिला ने आरोप लगाया कि अप्रैल में तीन बार ऐसा हुआ और उसके बैरक साथी को इन तीनों बार बाहर जाने के लिए कहा गया। उसने आवेदन में उल्लेख किया कि बैरक साथी इस अपराध का गवाह है।

महिला के वकील दिलीप जोशी ने बताया कि हमारे पास कोई उपाय नहीं था, इसलिए हमने गुजरात उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हमने अपनी याचिका में अपील की है कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए और स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।

ड्रग्स के साथ शख्स गिरफ्तार, पुलिस ने रु 17 लाख का माल-सामान किया बरामद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत पुलिस ने अमरोली के कोसाड आवास से एक शख्स को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शख्स के घर से 133.95 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स समेत कुल रु 17 लाख का माल-सामान जब्त कर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की है। सूरत क्राइम ब्रांच के पीआई ललित वागडिया ने बताया कि पूर्व सूचना के आधार पर अमरोली के कोसाड आवास के एक मकान में देर रात रेड कर ड्रग्स पेडलर मुश्ताक उर्फ मुश्ताक एसटीडी अब्बास पटेल को गिरफ्तार किया गया। मुश्ताक के घर की तलाशी में कुल 133.95 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद हुआ। साथ ही ड्रग्स बेचकर प्राप्त नकद 338240 रुपए बरामद हुए। आरोपी के घर से तीन मोबाइल, डिजिटल वजन कांटा, छोटी जीप बैक के बंडल समेत कुल रु 17 लाख से अधिक का माल-सामान जब्त किया गया है। सूरत की जहांगीरपुरा और अमरोली पुलिस पहले भी मुश्ताक को तीन अलग अलग मामलों में गिरफ्तार कर चुकी है। मुश्ताक अपने घर से ड्रग्स बेचता था। क्राइम ब्रांच की पूछताछ में मुश्ताक को ड्रग्स सप्लाई करने वाले के नाम का खुलासा होने के बाद उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीम रवाना की गई है।

मेरी सरकार का मकसद सामान्य परिवार का युवा भी उद्यमी बने : पीएम मोदी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारोबारी समुदाय से उद्यमियों और विशेषज्ञों का दल बनाने को कहा जो बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों में सुधारों के बारे में सुझाव दे सकें और खामियों को उजागर कर सकें। सूरत में तीन दिवसीय वैश्विक पाटीदार कारोबार सम्मेलन 2022 का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का ये निरंतर प्रयास है, कि देश में ऐसा माहौल बने कि सामान्य से सामान्य परिवार का युवा भी उद्यमी बने। मोदी ने पाटीदार समुदाय के कारोबारी अगुवाओं से कहा, मेरा आपसे अनुरोध है कि उद्यमियों और विशेषज्ञों का एक दल बनाएं जो बैंकिंग तथा अन्य क्षेत्रों में सुधारों और खामियों के बारे में बता सके और इन्हें बदलने के लिए सुझाव दे सके।'' उन्होंने कहा, ''अपनी नीतियों, अपने कार्यों के माध्यम से सरकार का ये निरंतर प्रयास है कि देश में ऐसा माहौल बने कि सामान्य से सामान्य परिवार का युवा भी उद्यमी बने, उसके लिए सपने देखे, उद्यमिता पर गर्व करे।

गुजरातभर में भीषण गर्मी ने दिखाए कड़े तेवर, अहमदाबाद में दो दिन रेड अलर्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर समेत राज्यभर में गर्मी रौद्र रूप दिखा रही है। राज्य के 12 शहरों का तापमान 42 डिग्री को कर गया है। गुरुवार को अहमदाबाद में 44.4 डिग्री के साथ पिछले 10 वर्ष में अप्रैल महीने की रिकार्ड गर्मी दर्ज हुई। अहमदाबाद में गर्मी का पारा 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावनाओं को देखते हुए मौसम विभाग ने शहर के लोगों को दोपहर के वक्त अकारण घरों से बाहर नहीं निकलने की हिदायत दी है। अभी तो मई महीना पूरा बाकी है और उससे पहले गर्मी राज्य में अप्रैल महीने में नए नए रिकार्ड बना रही है। गुरुवार को राज्य के 12 शहरों का तापमान 42 डिग्री को पार कर गया। सबसे अधिक अहमदाबाद में गर्मी 44.4 डिग्री रिकार्ड हुई। इस

बार अप्रैल महीने में ही तीसरी बार गर्मी का पारा 44 डिग्री को पार कर गया है। आज अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, वलसाड, राजकोट, पोरबंदर और कच्छ में भीषण गर्मी को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अहमदाबाद में 3 और 4 मई के दौरान गर्मी से मामूली राहत मिलेगी। हांलाकि उसके बाद गर्मी फिर एक बार अपने कड़े तेवर दिखाएगी। गांधीनगर में भी पिछले 10 सालों में अप्रैल महीने में गर्मी ने नया रिकार्ड बनाया है। सूरत में अप्रैल महीने में गर्मी का पारा दो दफा 42 डिग्री के पार पहुंचा है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 4-5 दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। बीते दिन कच्छ के कंडला एयरपोर्ट पर सबसे अधिक तापमान 45 डिग्री दर्ज हुआ। अहमदाबाद में 44.4 डिग्री, राज्य की राजधानी गांधीनगर में 44 डिग्री, अमरेली में 44 डिग्री, सुरेन्द्रनगर में 43.8 डग्री, वडोदरा में 43.6 डिग्री, राजकोट में 43.2 डिग्री, केशोद में 42.4 डिग्री, सूरत, भावनगर, भुज और डीसा में 42 डिग्री और वल्लभविद्यानगर में गर्मी का पारा 41.6 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक अहमदाबाद में गर्मी का पारा 45 डिग्री तक पहुंच सकता है, जिसे देखते हो आगामी दो दिन रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही लोगों से दोपहर के वक्त बेवजह घरों से बाहर नहीं निकलने की हिदायत दी है।

विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के आरोपियों सजा ए मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

खेडा,कपडवंज के सत्र अदालत ने निमाली क्षेत्र में एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसकी हत्या के आरोपियों को दोषी करार देते हुए ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सभी तीन आरोपियों को सजा ए मौत का आदेश दिया है। सरकारी वकील मिनेष पटेल ने 26 लोगों के बयान और 45 दस्तावेजी सबूत अदालत के समक्ष पेश किए थे। गवाहों के बयान और दस्तावेजी सबूतों के आधार पर खेडा के अतिरिक्त न्यायधीश वीपी अग्रवाल ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। चार साल पुरानी यह घटना 28 अक्टूबर 2018 की है जब लाला उर्फ कंकूडिपो रमेश वादी और जयंति बबा वादी नामक दो शख्सों ने कपडवंज तहसील के मोटी झेर से विवाहित महिला का मोटर साइकिल पर अपहरण कर लिया था। रास्ते में गोपी उर्फ भला देवीपूजक नामक शख्स ने गोपी और जयंति को रोकने का प्रयास किया। परंतु लाला और जयंति रूके नहीं और विवाहिता को लेकर निमाली क्षेत्र में ले गए। जहां एक खेत में लाला और जयंति ने विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म किया। कुछ समय बाद वहां से गुजर रहे गोपी ने वही मोटर साइकिल देखी जिस पर विवाहिता का अपहरण किया गया था। मोटर साइकिल के पास लाला को खड़ा देख गोपी उसके पास पहुंच गया। कुछ दूरी पर विवाहिता बेहोश पड़ी थी। गोपी ने जब लाला और जयंती से पूछा कि यह क्या किया? तब जयंति और लाला ने गोपी से कहा कि उन्होंने अपना काम कर लिया है और तू भी कर ले। अगर हमारे कहे के मुताबिक नहीं करेगा तो तूझे जान से मार देंगे। लाला और जयंति की धमकी के बाद गोपी ने भी विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद तीनों मिलकर विवाहिता की हत्या कर दी और उसका निर्वस्त्र शव निकट के खेत में फैंक दिया था। कपड़वंज रूरल पुलिस ने दफा 366, 376(डी), 302, 201 और 114 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मामले की आज सुनवाई करते हुए कपड़वंज सत्र न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई है7 साथ ही मृतक महिला के वारिश को रु 200000 का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।